





## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु की टीवीके सरकार  
संभवतः तीन महीने तक भी नहीं  
टिक पाएगी : स्टालिनदक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** द्रविड़ मुन्नेत्र कश्गम (द्रमुक) के अध्यक्ष एम. के. स्टालिन ने रविवार को दावा किया कि तमिलनाडु में मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु के नवतंत्र (टीवीके) सरकार संभवतः तीन महीने से अधिक नहीं टिक पाएगी। विजय ने मई में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी, जिसके साथ

ही राज्य में 60 वर्षों में पहली बार द्रमुक और अन्नाद्रमुक के अलावा किसी अन्य दल की सरकार बनी। पूर्व मुख्यमंत्री ने एक कार्यक्रम में कहा, मुझे फिलहाल मौजूदा सरकार के बारे में अधिक कहने की आवश्यकता नहीं है। जब यह बनी थी, तब मैंने कहा था कि मैं छह महीने तक इसकी आलोचना नहीं करूंगा। हालांकि, अब यह आशंका है कि परिस्थितियां मुझे उससे पहले ही बोलने के लिए मजबूर कर सकती हैं। इस कार्यक्रम में वीसीके के पूर्व विधायक पी. बाबू और उनके समर्थक द्रमुक में शामिल हुए हैं।

स्टालिन ने कहा, बहुत से लोग पहले ही इसके बारे में बात कर रहे हैं और आलोचना बढ़ती जा रही है। यह छह महीने, पांच महीने या यहां तक कि चार महीने का सवाल नहीं है। अब सवाल यह है कि क्या यह सरकार तीन महीने भी टिक पाएगी।

कांग्रेस ने टीवीके को समर्थन  
देने से पहले द्रमुक को इसकी  
जानकारी दे दी थी : चिदंबरमदक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने कहा है कि उनकी पार्टी ने तमिलनाडु के नवतंत्र (टीवीके) को समर्थन देने से पहले द्रविड़ मुन्नेत्र कश्गम (द्रमुक) के नेतृत्व को इसकी जानकारी दे दी थी। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में द्रमुक के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस, सरकार गठन के लिए टीवीके को समर्थन देने वाली पहली पार्टी थी। कांग्रेस ने टीवीके को अपने पांच विधायकों का समर्थन दिया, जिससे उसके लिए सरकार बनाना संभव हो सका। चिदंबरम ने शनिवार को एक निजी समाचार चैनल से कहा, यदि टीवीके के समर्थन में बहुमत हासिल करने में विफल रहती, तो ऐसी स्थिति में हम एक और चुनाव टालना चाहते थे। गठबंधन सहयोगियों की भी यही व्यापक भावना थी। जनता भी दोबारा चुनाव नहीं चाहती थी।

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने टीवीके सरकार को समर्थन देने के अपने फैसले की जानकारी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी

जेडीएस कार्यकर्ताओं के लिए भी  
मेरे दरवाजे खुले हैं : मुख्यमंत्री  
डीके शिवकुमार

आमार समा क्षेत्र वसियों को जमीन न बेचने की दी सलाह

**कनकपुरा।** कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने रविवार को अपने गृह निर्वाचन क्षेत्र कनकपुरा में आयोजित कई आभार कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए एक बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। उन्होंने जनता दल (सेक्युलर) यानी जेडी(एस) के कार्यकर्ताओं को खुला निमंत्रण देते हुए कहा कि वे राजनीतिक मतभेदों को भूलकर उनके पास आ सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, यह डी.के. शिवकुमार जनता दल के कार्यकर्ताओं के लिए भी मौजूद है। मेरे दरवाजे आपके लिए भी हमेशा खुले हैं। आप जब चाहे मेरी मदद ले सकते हैं। भगवान न तो वरदान देते हैं और न ही श्राप, वे केवल अवसर देते हैं, और हमें इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने अतीत का जिक्र करते हुए कहा कि एक समय भाजपा को दूर रखने के लिए

उन्होंने अनीता कुमरस्वामी और कुमरस्वामी का समर्थन किया था, लेकिन वे अब पुरानी बातों पर चर्चा नहीं करना चाहते। लोकसभा के तहत शिवकुमार ने बंगलूरु के चुनावों के नतीजों की ओर इशारा करते हुए मुख्यमंत्री ने स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं को नसीहत दी। उन्होंने कहा, निर्वाचन क्षेत्र में सभी को साथ लेकर चला जाएगा और वे इस बात का आरोप किसी पर नहीं लगाएंगे कि किसने चुनाव में समर्थन किया और किसने नहीं। अगर किसी से गलतियां हुई हैं, तो उन्हें माफ कर देना चाहिए। हमारे नेताओं को किसी के प्रति दिल में नफरत नहीं रखनी चाहिए। राष्ट्रपति कुम्रे की पंक्तियों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि वे जाति या धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करते और इस राज्य को सभी सभ्यताओं के लिए 'शांति का बगीचा' बनाना चाहते हैं।

द्रमुक का कांग्रेस के साथ  
गठबंधन से इनकार

## स्थानीय निकाय चुनाव में प्रतिद्वंद्वी दलों को चुनौती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**पुडुकोट्टै।** कांग्रेस के साथ भविष्य में किसी भी तरह के सुलह की संभावना को खारिज करते हुए द्रविड़ मुन्नेत्र कश्गम (द्रमुक) के वरिष्ठ नेता एम. के. स्टालिन ने रविवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और गठबंधन से पार्टी के बाहर निकलने की तुलना "व्यभिचार" से करते हुए कहा कि द्रविड़ पार्टी दलबदलुओं का कभी स्वागत नहीं करेगी।

भारती ने कहा, "हम ऐसे किसी गठबंधन में नहीं रहेंगे जिसमें

कांग्रेस शामिल हो। मैं यह स्पष्ट कर रहा हूँ।" उन्होंने यहां पत्रकारों से बातचीत में प्रतिद्वंद्वियों को कड़ी चुनौती चुनौती देते हुए कहा कि "वे आगामी स्थानीय निकाय चुनाव में एक भी महापौर सीट जीतकर दिखाएं।" उन्होंने जनवरी में ही चुनाव कराने की मांग की। "भारती ने पूछा, 'स्थानीय निकाय चुनाव में लोग केवल योग्य उम्मीदवारों को ही वोट देते हैं। मैं उन्हें चुनौती देता हूँ: चुनाव छह महीने में कराए जाएं। मान लीजिए अगर चुनाव जनवरी में हों और आप महापौर का एक भी पद जीत

सकें तो मैं आपकी ताकत स्वीकार कर लूंगा। क्या अन्नामलाई और अन्य लोग इस चुनौती को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं?" कांग्रेस नेता मणिक्म टैगोर द्वारा द्रमुक के प्रदर्शन और गठबंधन के समीकरण पर की गई आलोचनात्मक टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर भारतीय ने टैगोर को पहले अपनी जीत पर आत्मचिंतन करने की सलाह दी। द्रमुक नेता ने कहा कि कुछ अलगाव आपसी सहमति से होते हैं, लेकिन यह अलगाव ऐसा है जैसे कोई किसी के

साथ रहते हुए अन्य के साथ "अनैतिक संबंध" में लिस हो। भारतीय ने कहा, "कोई भी धोखा देने वाली पत्नी के साथ नहीं रहता। उनके (कांग्रेस के) साथ अब कोई राजनीतिक संबंध या रिश्ता नहीं रह गया। भले ही द्रमुक नेतृत्व कुछ और फैसला ले, जमीनी स्तर के पार्टी कार्यकर्ता कांग्रेस को कभी भी वापस अपने साथ स्वीकार नहीं करेंगे।" उन्होंने कहा कि मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य के बावजूद द्रमुक वैचारिक रूप से अडिग है और उन्होंने भविष्य में भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन करने की संभावना को पूरी तरह से खारिज किया।

हिंदू भावनाओं की अनदेखी करने  
से तमिलनाडु सरकार का पतन  
तय : तमिलिसाई सौंदरराजनदक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**मद्रै।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता तमिलिसाई सौंदरराजन ने तिरुप्परनकुडम मंदिर में दीप जलाने की अनुमति नहीं देने को लेकर रविवार को तमिलनाडु सरकार की आलोचना की। उन्होंने चेतावनी दी कि हिंदू भावनाओं को नजरअंदाज करने पर सरकार का पतन हो जाएगा। यहां एक संवाददाता सम्मेलन में सौंदरराजन ने बिजली मंत्री निर्मल कुमार के उस बयान की कड़ी निंदा की, जिसमें उन्होंने कहा था कि अदालत के आदेश के बावजूद दीप जलाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। सौंदरराजन ने इस बयान को अहंकार की अभिव्यक्ति बताया। उन्होंने कहा कि भक्तों की आवाज सरकार के बयानों से ज्यादा तेज और मजबूत है। यह विवाद कुमार की ओर

से छह जून को मद्रै में तिरुप्परनकुडम मंदिर विवाद पर विरुद्ध हुए बयान से शुरू हुआ। कुमार ने कहा कि सरकार दो साल पहले वाली स्थिति बनाए रखेगी और पहाड़ी के ऊपर पारंपरिक दीप जलाने की इजाजत नहीं देगी। भाजपा से कुछ नेताओं के इस्तीफा देने को तवजो नहीं देते हुए सौंदरराजन ने कहा कि पार्टी पत्थर की तरह मजबूत और केंद्रित है। उन्होंने कहा कि स्वार्थी लोग भले ही पार्टी छोड़ दें, लेकिन प्रतिबद्ध कार्यकर्ता पार्टी को मजबूत करने में लगे हुए हैं।

## नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न के आरोप में नौ लोग गिरफ्तार

**तिरुचिरापल्ली।** तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली के पलक्करई क्षेत्र में 14 वर्षीय लड़की के यौन उत्पीड़न के आरोप में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है जबकि सात नाबालिगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने रविवार को यह

जानकारी दी। उत्पीड़न संबंधी औपचारिक शिकायत मिलने के बाद फोट ऑल यूसेन पुलिस स्टेशन (एडवैन्सुपीएस) ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस सूत्रों के अनुसार,

प्रारंभिक जांच में पता चला कि नाबालिग लड़की का काफी समय तक यौन उत्पीड़न किया गया। उन्होंने बताया कि लड़की की मां ने उसके व्यवहार में बदलाव देखा और उसे परामर्श के लिए ले गई, जहां लड़की ने अंततः अपने साथ

हुए उत्पीड़न की जानकारी दी। इसके बाद मां ने कानूनी कार्रवाई शुरू कराने के लिए पुलिस से संपर्क किया। शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस की एक विशेष टीम ने अभियान चलाकर मामले में

शामिल नौ लोगों को पकड़ा जिनमें से सात नाबालिग हैं। पुलिस ने इस मामले में यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पब्सो) अधिनियम समेत संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने

बताया कि दो वयस्क आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि सात नाबालिगों के खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच जारी है।

## खेल व्यक्तित्व विकास का एक शक्तिशाली माध्यम है : राज्यपाल

**बेंगलूरु।** कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने कहा कि खेल व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व कौशल को बढ़ावा देने और आत्मविश्वास और टीम भावना को मजबूत करने का एक शक्तिशाली माध्यम है। उन्होंने रविवार को बेंगलूरु गोल्व क्लब में आयोजित गवर्नर्स कप-2026 टूर्नामेंट के पुरस्कार वितरण समारोह में भाषण दिया। उन्होंने कहा कि गवर्नर्स कप सिर्फ एक खेल आयोजन नहीं है, बल्कि अनुशासन, धैर्य, शिष्टता और उत्कृष्टता के मूल्यों को दर्शाते वाला एक मंच है। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए बेंगलूरु गोल्व क्लब के अधिकारियों, सदस्यों, आयोजन समिति, खिलाड़ियों और सहयोगियों को बधाई दी।

राज्यपाल ने कहा, 1876 में स्थापित बेंगलूरु गोल्व क्लब का एक समृद्ध इतिहास है और गोल्व का खेल धैर्य, एकाग्रता, आत्म-नियंत्रण और अच्छे निर्णय लेने जैसे गुणों को विकसित करता है। उन्होंने आगे कहा, जिस प्रकार जीवन में हर निर्णय महत्वपूर्ण होता है, उसी प्रकार गोल्व में हर शॉट निर्णायक होता है। निरंतर अभ्यास, सकारात्मक सोच और आत्म-अनुशासन सफलता के मंत्र हैं। उन्होंने

कार्यक्रम देश में खेल गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों खेल क्षेत्र के विकास के लिए विभिन्न योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर रही हैं, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। उन्होंने कहा, क्रिकेट, बैडमिंटन, हॉकी, एथलेटिक्स और गोल्व सहित कई खेलों में कर्नाटक ने देश के लिए गौरवपूर्ण योगदान दिया है। हमारे एथलीट राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य और देश की प्रतिष्ठा बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने आह्वान किया कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में खेल महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। एक स्वस्थ, अनुशासित और आत्मविश्वासी समाज एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण का आधार है, और स्कूलों, विश्वविद्यालयों और समाज के सभी स्तरों पर खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। गोल्व जैसे खेल एक ऐसा मंच हैं जो कॉर्पोरेट जगत, प्रशासनिक सेवाओं और समाज के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को एक साथ लाते हैं। ये खेल सौहार्द, संवाद और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देते हैं।

मतदाताओं का आभार जताने के  
लिए कनकपुरा जाते समय मुख्यमंत्री  
शिवकुमार ने मेट्रो से यात्रा कीदक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**बेंगलूरु।** कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए आयोजित 'कृतज्ञता यात्रा' में भाग लेने के लिए कनकपुरा जाते समय रविवार को मेट्रो ट्रेन से यात्रा की। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार, एक जन-अनुकूल कदम के तहत शिवकुमार ने बंगलूरु के निवासियों को असुविधा से बचाने के लिए मेट्रो से यात्रा करने का विकल्प चुना। उन्होंने विधान सौध स्टेशन से कनकपुरा रोड के अंतिम स्टेशन तक मेट्रो ट्रेन से सफर किया और उसके बाद सड़क मार्ग से कनकपुरा के लिए रवाना हुए।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मुख्यमंत्री ने पर्यावरण के अनुकूल शहरी परिवहन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराने के लिए सार्वजनिक परिवहन का विकल्प चुना। पोस्ट में कहा गया, कर्नाटक सरकार बंगलूरु में पहुंचे बड़े बेहतर बनाने, भीड़भाड़ कम करने और तेज, सुरक्षित तथा अधिक विश्वसनीय सड़क संपर्क प्रदान

करने के लिए सभी चालू मेट्रो परियोजनाओं में तेजी ला रही है। शहर के भविष्य के विकास, आर्थिक जीवन शक्ति और जीवन की गुणवत्ता के लिए एक विश्व स्तरीय सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क आवश्यक है। कार्यालय ने कहा कि मुख्यमंत्री एक ऐसे बंगलूरु की कल्पना कर रहे हैं, जहां प्रभावी सार्वजनिक परिवहन लोगों की पहली पसंद बने, जिससे शहर हर नागरिक के लिए अधिक हरित, स्मार्ट और जुड़ा हुआ बन सके। मेट्रो यात्रा के दौरान शिवकुमार ने सह-यात्रियों का अभिवादन किया और दैनिक यात्रियों से बातचीत की। कुछ यात्रियों ने उनके साथ सेल्फी भी ली।

मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, मुख्यमंत्री ने यह महसूस करने के बाद मेट्रो से यात्रा करने का निर्णय लिया कि उनके सदाशिवनगर स्थित आवास से कनकपुरा रोड तक की सड़क यात्रा से सामान्य यातायात व्यवस्था प्रभावित होगी। शिवकुमार ने भी अपनी मेट्रो यात्रा की तस्वीरें 'एक्स' पर पोस्ट कीं। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, आज मुझे कनकपुरा जाने के रास्ते में साथी नागरिकों के साथ 'नम्मा मेट्रो' में यात्रा करने का अवसर मिला। अपने

साथी बंगलूरुवासियों के साथ यात्रा साझा करना इस बात की याद दिलाता है कि कर्नाटक के लोगों के जीवन में सुरक्षित, विश्वसनीय और किफायती सार्वजनिक परिवहन कितना महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने बताया कि बंगलूरु के भारी ट्रैफिक जाम से बचने और समय पर अपने चुनाव क्षेत्र कनकपुरा पहुंचने के लिए मेट्रो से जाने के बाद, वे आगे सड़क मार्ग से कनकपुरा के लिए रवाना हुए। सफर की शुरुआत से पहले उन्होंने डॉ. बी.आर. अंबेडकर मेट्रो स्टेशन पर कुछ समय रोजाना के अखबार पढ़कर बितायी। ट्रेन के भीतर उनका अंदाज बेहद दोस्ताना और आत्मीय था। युवाओं ने मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर बेहद उत्साह के साथ उनका स्वागत किया। कई यात्रियों ने उनके साथ हाथ मिलाया और खुश होकर सेल्फी ली। सफर के दौरान उन्होंने एक बच्चे को दुलारते हुए चॉकलेट दी। जब एक अन्य बच्चे ने मासूमियत से कहा, मुझे भी एक फोटो चाहिए, तो उन्होंने खुद मुस्कुराते हुए मोबाइल हाथ में लिया और सेल्फी खींची।

**भारतीय रिज़र्व बैंक**  
RESERVE BANK OF INDIA  
www.rbi.org.in

भारतीय रिज़र्व बैंक के निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाइन ई-निविदा आमंत्रित करता है:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत	ई-निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
बैंक के मुंबई स्थित केंद्रीय कार्यालय भवन में 12 यात्री लिफ्टों की डिजाइन, आपूर्ति, संस्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग।	₹15 करोड़	16 जुलाई 2026 को दोपहर 03:00 बजे तक

पात्रता के पूर्ण विवरण के साथ-साथ निविदा-दस्तावेज डाउनलोड करने के लिए, कृपया वेबसाइट <https://www.rbi.org.in> की 'निविदाएं' लिंक पर अथवा केंद्रीय सार्वजनिक प्राण पोर्टल <https://etenders.gov.in/eprocure/app> पर जाएं। उपर्युक्त निविदा के संबंध में कोई भी अतिरिक्त स्पष्टीकरण/परिशिष्ट/सुधित/आदि केवल बैंक की वेबसाइट <https://www.rbi.org.in> पर तथा केंद्रीय सार्वजनिक प्राण पोर्टल <https://etenders.gov.in/eprocure/app> पर ही प्रकाशित किए जाएंगे। बैंक बिना कोई कारण बताए निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

प्रभारी मुख्य महाप्रबंधक  
परिसर विभाग, मुंबई

---

**भारतीय रिज़र्व बैंक**  
विदेशी मुद्रा विभाग  
क्षेत्रीय कार्यालय, फोर्ट ग्लासिस, 16,  
राजाजी सावै, चेन्नै - 600 001

विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 की धारा 10(3) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय रिज़र्व बैंक ने निम्नलिखित कंपनियों के संपूर्ण मुद्रा परिवर्तक (एफएफएमसी) लाइसेंस रद्द कर दिया है क्योंकि उन्होंने मौजूदा फेमा उपबंधों और उसके तहत जारी निर्देशों का उल्लंघन किया था:

क्र.सं	नाम और पंजीकृत कार्यालय का पता	लाइसेंस संख्या	जारी करने की तारीख	रद्दीकरण आदेश की तारीख
1.	डोलेक्स मनी चेंजर्स प्राइवेट लिमिटेड प्लॉट नं. 112, 113 दरवाजा नं. 12/432-बी, 4वीं स्ट्रीट, सुंदर एवेन्यू, सिकारायापुरम, चेन्नै - 600128	0202-2023	10 अक्टूबर, 2023	16 मार्च, 2026
2.	युनिवर्सल एलीट फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड पुराना नंबर 16, नया नंबर 52, इलांगो सलाई, तेनाम्पेट्टे, चेन्नै - 600018	0613-2025	29 सितंबर, 2025	16 मार्च, 2026
3.	एजीपी फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड पहली मंजिल, दुकान सं. 3, दरवाजा नंबर 64, जेरेमियाह रोड, वेपेरी, चेन्नै - 600007	0573-2024	06 दिसंबर, 2024	30 मार्च, 2026
4.	के.टी.पी. एस.साइड प्राइवेट लिमिटेड दरवाजा नंबर 129, दुकान नंबर 15, ग्राउंड फ्लोर, प्लाजा सेंटर, जी.एन. चेटी रोड, त्यागराया नगर, चेन्नै - 600017	0438-2023	29 नवंबर, 2024	30 मार्च, 2026
5.	प्यूचर गैस फॉरेक्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड दरवाजा नंबर. 1, पेरुमल कोइल स्ट्रीट, अरुंबक्कम, चेन्नै - 600106	0224-2023	27 दिसंबर, 2023	30 मार्च, 2026
6.	पीकॉक फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड दुकान नंबर 21 और 23, ग्राउंड फ्लोर, रेनबो आर्कड (नागेश थिएटर के पास), सर त्यागराया रोड, पॉन्डी बाजार, टी.नगर, चेन्नै - 600017	0024-2023	09 मई, 2023	30 मार्च, 2026
7.	साना ट्रेवल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड जी-100-ए, ग्राउंड फ्लोर, स्पेंसर प्लाजा, फेज II, 769, अन्ना सलाई, चेन्नै - 600002	0152-2023	02 दिसंबर, 2022	30 मार्च, 2026

उपर्युक्त रद्दीकरण के परिणामस्वरूप, उक्त एफएफएमसी मुद्रा परिवर्तन गतिविधियों से संबंधित 01 जनवरी 2016 के मास्टर निर्देश, जिसे समय-समय पर अद्यतन किया जाता है और जो कि आरबीआई की वेबसाइट (<https://www.rbi.org.in>) पर उपलब्ध है, में यथा-विनिर्दिष्ट मुद्रा परिवर्तन गतिविधियां या लेनदेन नहीं करेंगे।

ह/-  
श्री राकेश श्रीवास्तव  
मुख्य महाप्रबंधक

स्थान: चेन्नै  
दिनांक: 05 जून 2026

## 2022 में कांग्रेस में हुआ राजनीतिक घटनाक्रम पार्टी आलाकमान के खिलाफ विद्रोह नहीं था : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को कहा कि 25 सितंबर 2022 को कांग्रेस की राज्य इकाई में हुआ घटनाक्रम पार्टी आलाकमान के खिलाफ विद्रोह नहीं था बल्कि विधायकों के बीच सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाए जाने की संभावनाओं को लेकर असहमति थी। गहलोत ने कहा कि सचिन पायलट को सच्चाई स्वीकार करनी चाहिए क्योंकि सच्चाई का कोई विकल्प नहीं होता।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उस समय वह कांग्रेस अक्षय्य बनने की कतार में थे लेकिन परिस्थितियां

ऐसी बनीं कि सजिथ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई और उनकी छवि खराब हुई। उन्होंने सोनिया गांधी के सामने इस बात के लिए खेद व्यक्त किया कि बैठक में प्रस्ताव पारित नहीं हो सका। गहलोत ने कहा, 25 सितंबर की घटना उस व्यक्ति (सचिन पायलट) के खिलाफ थी, जिसका नाम मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल था। यह आलाकमान के खिलाफ विद्रोह नहीं था। उन्होंने कहा कि विधायकों ने आलाकमान के प्रति निष्ठा दिखाई और सरकार के प्रति निष्ठा दिखाई और सरकार नहीं बचाई। गहलोत सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे पायलट ने 2020 में गहलोत नेतृत्व के खिलाफ बग़ावत की थी।

पायलट और कुछ विधायक हरियाणा के मानेसर में ठहरे थे और इस बग़ावत से राज्य में राजनीतिक



संकट उत्पन्न हुआ, जिसे पार्टी नेतृत्व ने हस्तक्षेप कर सुलझाया। गहलोत ने कहा कि उनके खिलाफ विद्रोह की धारणा पायलट के सहयोगियों ने बनाई, जो गलत थी। उन्होंने कहा कि जब भी आलाकमान मुख्यमंत्री बदलने का निर्णय करता है, अधिकांश विधायक नए मुख्यमंत्री के साथ हो जाते हैं।

गहलोत ने कहा, सचिन

पायलट को यह समझना चाहिए। वह 15-20 साल से राजनीति में हैं और अनुभव हासिल कर चुके हैं। हम उनके दुश्मन नहीं हैं। उनके परिवार से बचपन से मिलता रहा है। गहलोत ने कहा कि पायलट ने गलती की है और उसे स्वीकार करना चाहिए।

उन्होंने कहा, मनुष्य से गलती हो सकती है, मुझसे भी हो सकती है। उन्होंने (पायलट ने) गलती की और उसे स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने सच्चाई स्वीकार करना नहीं सीखा, इसी वजह से यह मुद्दा बना हुआ है। आज कांग्रेस संकट में है, देश संकट में है; केवल कांग्रेस ही देश को बचा सकती है। सभी नेताओं को एकजुट होना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने पायलट को संयुक्त प्रगतिशील

गठबंधन की सरकार में केंद्रीय मंत्री बनने में मदद की थी लेकिन पायलट ने कभी इसका उल्लेख नहीं किया। गहलोत ने कहा कि उन्होंने सब कुछ हासिल कर लिया है और संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा, मैं अब किसी पद की दौड़ में नहीं हूँ। तीन बार मुख्यमंत्री रहना कोई छोटी बात नहीं है। मुख्यमंत्री कौन बनेगा और कौन नहीं, यह भविष्य का विषय है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि चाहे सचिन पायलट हों, प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटसरा हों, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली हों या कोई अन्य नेता, सभी को मिलकर काम करना चाहिए। गहलोत ने बताया कि हाल ही में राहुल गांधी ने पुष्कर में प्रशिक्षण शिविर के दौरान डोटसरा और जूली इकाई की सराहना की।

## जयपुर में इबोला संदिग्ध युवती की जांच रिपोर्ट निगेटिव

जयपुर/भाषा। इबोला वायरस संक्रमण जैसे लक्षणों के साथ जयपुर के अस्पताल में भर्ती युवांगिका की एक युवती की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है। अधिकारियों ने शनिवार रात यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, 19 वर्षीय युवांगिका की युवती की जांच रिपोर्ट पुणे स्थित प्रयोगशाला से प्राप्त हुई है, जिसमें इबोला वायरस संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है। उल्लेखनीय है कि यह युवती शुक्रवार को शिराजह से जयपुर पहुंची थी। हवाई अड्डे पर स्वास्थ्य विभाग की मेडिकल टीम द्वारा जांच के दौरान उसमें इबोला जैसे लक्षण पाए जाने पर उसे संदिग्ध मामला मानते हुए राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आर्युएचएस) अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके बाद उसे विशेष देखभाल इकाई में आइसोलेशन में रखा गया था।

## भारत-पाकिस्तान सीमा क्षेत्र में निर्माणों का विशेष सर्वेक्षण शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

जयसलमेर/भाषा। राजस्थान में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट स्थित क्षेत्रों में अनधिकृत निर्माणों की पहचान और उनके विधायकों की जांच के लिए विशेष सर्वेक्षण अभियान शुरू किया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, यह सर्वेक्षण अंतरराष्ट्रीय सीमा से 15 किलोमीटर के दायरे में स्थित सभी निर्माणों का शामिल करेगा। यह अभियान पिछले महीने बीकानेर में आयोजित उच्चस्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दिए गए निर्देशों के बाद शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि लगभग एक

सप्ताह पहले शुरू हुआ यह सर्वेक्षण सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), खुफिया ब्यूरो (आईबी), जिला प्रशासन, सैन्य खुफिया इकाइयों और अन्य एजेंसियों द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

यह अभियान अवद्वार तक पूरा किए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

जयसलमेर की जिलाधिकारी अनुपमा जोरवाल ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा से शून्य से 15 किलोमीटर के दायरे में स्थित सभी निर्माणों और अतिक्रमणों का मानचित्रण तथा सत्यापन किया जाएगा।

उन्होंने कहा, 'सर्वेक्षण के दौरान यह जांच की जाएगी कि संबंधित निर्माण आवश्यक अनुमति प्राप्त करने के बाद किए गए हैं या नहीं तथा कहीं वे निर्धारित नियमों का उल्लंघन तो नहीं कर रहे हैं।

## राजस्थान में कीटनाशकों के उपयोग से 535 किसानों की हुई मौत : कृषि विभाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान में जनवरी 2024 से जनवरी 2026 के बीच कीटनाशकों के उपयोग के दौरान 535 किसानों की मौत हुई। कृषि विभाग ने कांग्रेस विधायक के एक सवाल में यह जानकारी मुहैया कराई। कांग्रेस विधायक अमीन कागजी द्वारा हाल ही में विधानसभा में पूछे गये एक अंतरांकित प्रश्न के जवाब में विभाग ने यह जानकारी मुहैया कराई। विभाग ने बताया कि मृत किसानों के परिजनों को मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत 5.10 करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। विभाग के मुताबिक, कीटनाशक डिब्बाक के दौरान आवश्यक सुरक्षा उपायों को अपनाने में विफल रहने और कीटनाशकों के अंधाधुंध व असुरक्षित उपयोग के कारण

किसान, कृषि मजदूर और अन्य लोग भीमार पड़ सकते हैं और कुछ मामलों में उनकी मौत भी हो सकती है। जिला-वार आंकड़ों में बीकानेर में सबसे अधिक 57 मौतें दर्ज की गईं, इसके बाद चूरू (56), हनुमानगढ़ (42), झालावाड़ (42), जोधपुर (38), श्रीगंगानगर और व्यावर में 31-31 मौतें हुईं। विभाग ने बताया कि धौलपुर, जयसलमेर, बाड़मेर, सिराही, बांसवाड़ा, डूंगरपुर और सालुमर में कीटनाशकों के उपयोग से किसी की मौत नहीं हुई। वहीं कोटपल्ली-बरोडरा, बालोतरा, जालोर और उदयपुर में एक-एक किसान की मौत हुई।

विभाग के मुताबिक, करौली में दो, खैरथल-तिजारा, दौसा और जयपुर में तीन-तीन, भरतपुर में चार और राजसमंद में पांच लोगों की मौत हुई। विभाग ने बताया कि कीटनाशक अधिनियम, 1968 और कीटनाशक नियम, 1971 के

तहत मुआवजे का कोई प्रावधान नहीं है हालांकि, राज्य सरकार की कल्याणकारी योजना के तहत आर्थिक सहायता दी गई। विभाग के मुताबिक, राज्य में प्रतिबंधित, घटिया या नकली कीटनाशकों की खुली बिक्री का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ।

कागजी ने आंकड़ों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह स्थिति अधिक जागरूकता और कीटनाशक उपयोग की सख्त निगरानी की मांग करती है। उन्होंने कहा, मौतों और घटिया नमूनों की संख्या यह दर्शाती है कि फील्ड स्तर पर निगरानी, किसानों का प्रशिक्षण और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करना प्राथमिकता होनी चाहिए। विभाग ने यह भी बताया कि सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा दे रही है और किसानों को जैविक खेती अपनाने के लिए सहायता प्रदान कर रही है।

## साइकिल चलाने गई छात्रा का शव अपार्टमेंट के बाहर मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान के जयपुर में 16 वर्षीय एक स्कूली छात्रा का शव शनिवार सुबह अपार्टमेंट के बाहर मिला। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया था कि छात्रा शुक्रवार शाम साइकिल चलाने के लिए घर से निकली थी लेकिन देर रात तक नहीं लौटी, जिसके बाद परिजनों ने गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। प्रताप नगर थाना प्रभारी गुरमल ने बताया कि मृतका की मां अपार्टमेंट के पास साइकिल दुकान चलाती हैं और छात्रा वहीं साइकिल चलाने गई थी। उन्होंने बताया कि लड़की की चप्पल और चश्मा इमारत की छत पर मिले।

अधिकारी ने बताया कि संदिग्ध परिस्थितियों को देखते हुए पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल बोर्ड गठित किया गया। परिजनों ने रविवार को सरकारी अस्पताल की मुर्दाघर के बाहर धरना दिया और शव लेने से इनकार कर दिया। परिजनों ने आरोप लगाया कि लड़की का अपहरण कर हत्या की गई है और पुलिस निष्पक्ष जांच नहीं कर रही। परिजनों ने दावा किया कि लड़की 'इंस्टाग्राम' पर एक युवक से संपर्क में लौटी थी और पुलिस से मामले के सभी पहलुओं की जांच करने की मांग की। एक परिजन ने कहा, हमें निष्पक्ष जांच चाहिए और दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। हर पहलू की गहन जांच होनी चाहिए। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में आत्महत्या और हत्या दोनों पहलुओं से जांच की जा रही है।

## फर्जी एफएमजी सर्टिफिकेट मामले में तीन चिकित्सक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने विदेश से एमबीबीएस की पढ़ाई कर भारत लौटे चिकित्सकों को कथित तौर पर फर्जी एफएमजी (फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट) स्कीमिंग परीक्षा प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन चिकित्सकों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार, जांच में सामने आया कि एफएमजी परीक्षा में सफल नहीं हो जाने वाले कई अभ्यर्थियों ने लाखों रुपये खर्च कर कूटरचित प्रमाण पत्र तैयार करवाए और उनके आधार पर राजस्थान मेडिकल काउंसिल (आरएमसी) में पंजीयन कराकर विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में इंटरनशिप भी की।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि चोमू निवासी दीपक यादव (28), डीग निवासी राजू

गुर्जर (28) और अलवर जिले के कदमूर निवासी नरेश गुर्जर (30) को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि दीपक यादव ने कजाखस्तान से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने के बाद कई बार एफएमजी परीक्षा दी लेकिन सफल नहीं हो सका।

अधिकारी ने बताया कि यादव ने कजाखस्तान में उसके साथ पढ़ने वाले विजय सैनी के माध्यम से मुख्य आरोपी भानाराम माली के नेटवर्क से जुड़कर 24 लाख रुपये में कथित तौर पर फर्जी प्रमाण पत्र बनवाया और उसके आधार पर दौसा में राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इंटरनशिप की।

बंसल ने बताया कि इसी प्रकार राजू गुर्जर ने 27 लाख रुपये देकर कूटरचित प्रमाण पत्र कथित तौर पर हासिल किया और हनुमानगढ़ स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इंटरनशिप की। उन्होंने बताया कि यहीं नरेश गुर्जर ने 23 लाख रुपये में फर्जी प्रमाण पत्र बनवाकर अलवर स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल से इंटरनशिप पूरी की।

## निरीक्षण



भीषण गर्मी के बीच प्रदेशवासियों को स्वच्छ, पर्याप्त एवं निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संवेदनशील नेतृत्व एवं दूरदर्शी निर्देशों का सकारात्मक असर पूरे राजस्थान में दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री की प्राथमिकता के अनुरूप जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचडी) द्वारा संचालित विशेष राज्यव्यापी अभियानों ने पेयजल व्यवस्थाओं को नई मजबूती प्रदान की है तथा हजारों परिवारों को राहत पहुंचाई है। 5 अप्रैल से 6 जून तक आयोजित सात विशेष राज्यव्यापी अभियानों के दौरान प्रदेशभर में कुल 19,072 पेयजल संबंधी कार्य सफलतापूर्वक पूरे किए गए। इनमें 3,766 हंडपंपों की मरम्मत, 2,236 पाइपलाइन लीकेज की दुरुस्ती, 1,219 प्रेशर संबंधी समस्याओं का समाधान, 1,390 बाधित जलापूर्ति मामलों का निरस्तारण, 290 कम अवधि की जलापूर्ति, 688 कम सप्लाई, 181 प्रदूषित जल तथा 29 समय-सारणी संबंधी शिकायतों का समाधान शामिल है। इसके अतिरिक्त 7,466 अन्य सुधारकर्म कार्यों के माध्यम से पेयजल व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया गया। शनिवार को आयोजित सातवें विशेष अभियान के दौरान विभागीय विशेष टीमों ने जिलों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जल स्रोतों, पाइपलाइन नेटवर्क और जलापूर्ति व्यवस्थाओं का व्यापक निरीक्षण कर समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया। अभियान के तहत 689 खराब हंडपंप पुनः चालू किए गए।

## तीर्थ यात्रा



सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत राजस्थान सरकार की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत राजस्थान से गए 1008 वरिष्ठ नागरिक मद्दालाओं ने शनिवार को श्री सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दिव्य-भव्य दर्शन किए। सोमनाथ मंदिर दर्शन के दौरान श्रद्धालु संख्या आरती में सम्मिलित हुए तथा लाइट एंड साउंड शो का आनंद लिया। लाइट एंड साउंड शो में सोमनाथ महादेव मंदिर की पौराणिक और ऐतिहासिक गाथा का वर्णन किया गया।

## खेल के साथ व्यक्तित्व विकास पर रहेगा विशेष फोकस : भूपेंद्र यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

जयपुर। अलवर सांसद खेल उत्सव 2025-26 के अंतर्गत आयोजित समर कैंप 2026 (महिला वर्ग) का शनिवार को आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल, कोटपल्ली-बहरोड़ में भव्य शुभारंभ हुआ। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा अलवर सांसद भूपेंद्र यादव एवं उपमुख्यमंत्री एवं वित्त, पर्यटन, सार्वजनिक निर्माण, कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व, महिला एवं बाल विकास तथा बाल अधिकारिता मंत्री दिया कुमारी की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रशिक्षकों, घयनित प्रतिभागी खिलाड़ियों एवं उनके अभिभावकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में खेल प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं और उच्चल भविष्य के लिए मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

केंद्रीय मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव ने कहा कि खेल केवल जीत और हार तक सीमित नहीं हैं,



बल्कि यह अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, टीम भावना और राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम है। खेल युवाओं को चुनौतियों का सामना करना सिखाते हैं तथा उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि सांसद खेल उत्सव और समर कैंप जैसे नवाचारपूर्ण प्रयासों का उद्देश्य क्षेत्र की प्रतिभाओं को पहचानना, उन्हें अवसर प्रदान करना और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना है। उन्होंने भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री श्री मनसुख मांडविया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से देशभर के उत्कृष्ट

प्रशिक्षक इस कैंप से जुड़े हैं, जिससे खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण मिल रहा है। उन्होंने भविष्य में भारतीय खेल प्राधिकरण (सपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया) के सहयोग से और अधिक उन्नत एवं व्यवस्थित प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

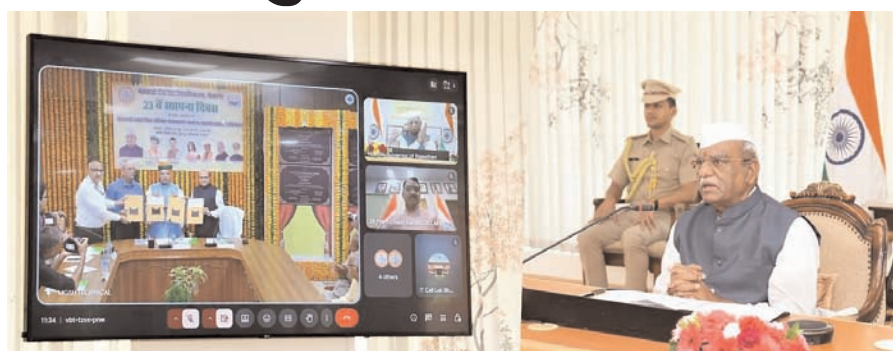
यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया और खेलो इंडिया अभियानों ने देश में खेल संस्कृति को नई पहचान दी है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे सफलता और असफलता से ऊपर उठकर निरंतर सीखने और आगे बढ़ने का प्रयास करें।

## विश्वविद्यालय विद्यार्थियों में नैतिकता और सहनशीलता के गुण विकसित करे : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि अच्छी शिक्षा देना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता कैसे बढ़े, इस पर भी विशेष रूप से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थान विद्यार्थियों में नैतिकता और सहनशीलता के गुण विकसित करने पर विशेष ध्यान दे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के प्रकाश पुंज होते हैं। ज्ञान का पूरे समाज में प्रसार यही है होता है। इसलिए उन्हें उत्कृष्ट बनाने लिए सभी मिलकर कार्य करें।

राज्यपाल बागडे रविवार को लोकभवन से महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के 23 वें स्थापना दिवस पर संबोधित कर रहे



थे। उन्होंने स्वामी श्री रामसुखदास जी महाराज का स्मरण करते हुए कहा कि वह चिरले संत थे। उनके नाम पर विश्वविद्यालय में भवन निर्माण अच्छी पहल है। वह ऐसे संत थे जो प्रचार प्रसार से दूर रहते थे। उन्होंने कभी अपनी फोटो तक नहीं खिचवाई। अपने चरण छूने से भी वह मना करते थे। ऐसे आदर्श संतों से प्रेरणा लेनी चाहिए। राज्यपाल ने

कहा कि ऐसे ही एक महापुरुष गीता प्रेस के जरिए देश में संस्कृति और संस्कारों के प्रचार की अभूतपूर्व भूमिका निभाने वाले हनुमान प्रसाद पोद्दार जी थे। गोविंद वल्लभ पंत जी उन्हें भारत रत्न पुस्ककार देना चाहते थे और परन्तु उन्होंने लेने से मना कर दिया।

बागडे ने विश्वविद्यालय भवनों का नाम संत, महात्माओं के नाम पर

किए जाने की सराहना की परंतु यह भी कहा कि जिन महापुरुषों, संतों के नाम पर भवनों के नाम रखे गये हैं, उनके बारे में संक्षिप्त और सार्थक परिचय पुस्तिका भी प्रकाशित हो ताकि नई पीढ़ी को उनके बारे में निरंतर जानकारी मिलती रहे। उन्होंने कहा कि बीकानेर में महाराजा गंगासिंह जी के समय खेजड़ी को काटने पर रोक का

कानून बना था। राज्य सरकार ने भी खेजड़ी संरक्षण के लिए कानून बनाया है। लोकभवन स्तर पर पिछले वर्ष सर्वपल्ली राधाकृष्ण आयुर्वेद विश्वविद्यालय में 300 से अधिक खेजड़ी के पेड़ लगाए गए। हमारा प्रयास है कि खेजड़ी का एक ऐसा पार्क विकसित किया जाए ताकि इस मरुभूमि के कल्पवृक्ष के बारे में जागरूकता का प्रसार हो। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की इस वृक्ष से इसीसे और निकटता होगी।

राज्यपाल ने गंग नहर निर्माण शताब्दी वर्ष पर जल संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पानी की बचत ही इसका निर्माण है। पानी बचाने के लिए जागरूकता का प्रसार होना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा राजस्थान के विद्यार्थिक पेड़ पौधों और जल संरक्षण से जुड़ी संस्कृति से जुड़ी किसी परियोजना पर कार्य करने की भी आवश्यकता बताई।

# चार धाम यात्रा की शुरुआत के बाद पहुंचे 31 लाख तीर्थयात्री, अब तक 161 श्रद्धालुओं की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**देहरादून/भाषा।** उत्तराखंड में अप्रैल में शुरू हुई चार धाम यात्रा के बाद से 31 लाख से अधिक तीर्थयात्री प्रदेश में आ चुके हैं जबकि इस दौरान 161 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र की नई रिपोर्ट के अनुसार, 22 अप्रैल को कपाट खुलने के बाद से केदारनाथ धाम में सबसे अधिक 11,05,676 तीर्थयात्री आए हैं। इसके बाद बद्रीनाथ धाम में 23 अप्रैल से 9,08,619 तीर्थयात्री आए हैं। गंगोत्री मंदिर में



5,28,406 तीर्थयात्री, यमुनात्री तीर्थयात्री आए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, गंगोत्री मार्ग पर 4,697 श्रद्धालुओं की मौत हुई। इनकी संख्या गंगोत्री तीर्थयात्रियों में शामिल की गई। शनिवार को 61,262 तीर्थयात्री पहुंचे। इनकी संख्या तीर्थयात्री 5,511 वाहनों में सवार

होकर तीर्थस्थलों पर पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि इस साल तीर्थयात्रा की शुरुआत से अब तक 2,89,918 वाहनों ने यात्रा मार्गों का उपयोग किया।

राज्य में 19 अप्रैल से अब तक 161 तीर्थयात्रियों की मौत हुई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इनमें से 152 लोगों की मौत स्वास्थ्य समस्याओं और खराब स्वास्थ्य के कारण हुई, जबकि आठ तीर्थयात्रियों की मृत्यु अन्य कारणों से हुई और एक व्यक्ति की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई। तीर्थयात्रा के दौरान, यमुनात्री में सबसे अधिक 78 श्रद्धालुओं की मौत हुई। इसके बाद केदारनाथ में 47, बद्रीनाथ में 20 और गंगोत्री में 16 लोगों की मौत हुई।



## पटना स्थित 'केजीएस' में अग्नि सुरक्षा जांच के दौरान संरचनात्मक खामियां पाई गईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**पटना/भाषा।** बिहार पुलिस ने रविवार को पटना स्थित खान ग्लोबल स्टडीज 'केजीएस' में अग्नि सुरक्षा निरीक्षण के दौरान कई संरचनात्मक खामियां पाईं। इसने कहा कि संरचना को एक सप्ताह के भीतर इन खामियों को दूर करने के लिए नोटिस जारी किया जाएगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

मुजफ्फरपुर जिले के एक निजी अस्पताल में लगी आग में कम से कम सात लोगों की मौत के कुछ दिनों बाद यह अग्नि सुरक्षा जांच की

गयी। केजीएस पटना स्थित एक कोचिंग संस्थान है, जिसकी स्थापना फैसल खान ने की थी, जिन्हें खान सर के नाम से जाना जाता है। यह कोचिंग संस्थान छात्रों को प्रतियोगी और सरकारी भर्ती परीक्षाओं की तैयारी कराने के लिए प्रसिद्ध है। सहायक जिला अग्निशमन अधिकारी अजय कुमार शर्मा ने पत्रकारों को बताया, अग्नि सुरक्षा निरीक्षण के दौरान हर्ष में केजीएस में कुछ खामियां मिली हैं और जल्द ही नोटिस जारी किया जाएगा। यदि वे एक सप्ताह के भीतर अनुपालन करने में विफल रहते हैं, तो उचित कार्यवाई की जाएगी। शर्मा ने बताया कि केजीएस में 'फायर अलार्म सिस्टम' में खामियां पाई गईं, जबकि फायर पंप भी नहीं लगाया गया है। उन्होंने कहा कि ओवरहेड वाटर टैंक की क्षमता भी अपर्याप्त थी और कोई स्थायी अग्निशमन प्रणाली भी नहीं थी। बार-बार कोशिश करने के बावजूद, केजीएस के अधिकारियों से टिप्पणी के लिए संपर्क नहीं हो सका। राज्यव्यापी ऑडिट अभियान का जिक्र करते हुए शर्मा ने कहा, दिल्ली और मुजफ्फरपुर में हाल ही में हुई आग की घटनाओं के महतजर, सभी होटलों, अस्पतालों और विभिन्न संस्थानों के लिए बड़े पैमाने पर अग्नि सुरक्षा ऑडिट और जांच की जा रही है।

## इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने मथुरा के द्वारकाधीश मंदिर में की पूजा-अर्चना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**मथुरा/भाषा।** इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली ने रविवार को मथुरा के ठाकुर द्वारकाधीश महाराज मंदिर में पूजा-अर्चना की। मंदिर के अधिकारियों ने बताया कि न्यायमूर्ति भंसाली ने अपनी पत्नी, रजिस्ट्रार जनरल मंजीत सिंह सिरौही और मथुरा तथा आगरा के जिला न्यायाधीशों के साथ द्वारकाधीश मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन किये।

मंदिर के मीडिया और कानूनी मामलों के प्रभारी राकेश तिवारी ने बताया कि उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का मंत्रोच्चार के बीच स्वागत किया गया और उन्हें मंदिर के इतिहास और परंपराओं के बारे में जानकारी दी गयी। तिवारी ने बताया कि मंदिर प्रशासन ने उन्हें पारंपरिक अंगवस्त्र, प्रसाद और एक स्मृति-चिह्न प्रदान किया।

न्यायमूर्ति भंसाली ने अपनी यात्रा के दौरान मंदिर के गोस्वामी तृतीय पीठाधीश्वर वागीश कुमार महाराज से भी मुलाकात की।

मंदिर के अधिकारियों ने बताया कि ब्रज क्षेत्र के अपने दौरे के दौरान मुख्य न्यायाधीश का कोसी के कोकिलावन में शनि मंदिर, वृंदावन में इस्कॉन मंदिर, नीम करौली बाबा समाधि स्थल, टटिया आश्रम और वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर जाने का भी कार्यक्रम है।



## लोगों से पैसे ऐंठने के आरोपी टीएमसी नेता को गंगा करके, जूतों की माला पहनाकर घुमाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**कोलकाता/भाषा।** पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में गुप्तसाईं भीड़ ने तुण्मूल कांग्रेस के एक नेता का सिर मुंडा दिया, उसे जूतों की माला पहनाई और पूरे गांव में घुमाया।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि तुण्मूल कांग्रेस का यह नेता कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से पैसे वसूलता था। अमरदाहा गांव के निवासियों ने आरोप लगाया कि संन्यासी मन्ना विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर लोगों से पैसे ऐंठता था। उनका यह दावा भी है कि उसके घर से कई आधार कार्ड और मनरेगा योजना के जांच कार्ड बरामद किए गए हैं।

सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में कथित तौर पर ग्रामीणों को मन्ना के गले में जूतों की माला डालते और उसका सिर मुंडाते हुए देखा गया। पुलिस ने मन्ना को ग्रामीणों की भीड़ से बचाकर स्थिति को नियंत्रण में कर लिया।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मन्ना को उग्र भीड़ से सुरक्षित निकाल लिया गया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों के आरोपों की जांच की जाएगी, हालांकि अभी तक उसके खिलाफ कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। पीटीआई सीडियो की प्रामाणिकता की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर सका है।

रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने के बाद से स्थानीय तुण्मूल कांग्रेस नेताओं के खिलाफ व्यापक विरोध-दर्शन और सार्वजनिक नाराजगी देखने को मिली है।

## 'राम मंदिर' में चढ़ावे में आए करोड़ों रुपये गायब

अखिलेश यादव



**लखनऊ/भाषा।** समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को दावा किया कि अयोध्या स्थित राम मंदिर के चढ़ावे में आए करोड़ों रुपये गायब हो गये। यादव ने इस मामले में अदालत से स्वतः सजावन लेने का अनुरोध किया। उन्होंने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, समस्त विश्व में भगवान राम के उपासकों के लिए ये एक बेहद संवेदनशील समाचार है कि 'राम मंदिर' के चढ़ावे की करोड़ों की रकम गायब पायी गई है।

यादव ने पोस्ट में कहा, ये मंदिर ट्रस्ट के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है। कोई भी सफाई देने के लिए सामने नहीं आना चाहता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, अदालत से स्वतः सजावन लेने की मांग है क्योंकि इसका सीधा संबंध वैश्विक स्तर पर समस्त सनातनी समाज की प्रभु राम में गहरी आस्था से जुड़ा है। सरकार की चुप्पी संदिग्ध है।

## प्रधानमंत्री चाहते हैं कि युवा रील बनाते रहें और पकौड़े तलते रहें : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com



**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को 'सीबीएसई और कोएम्प्ट' के बीच मिलीभगत का 'पर्दाफाश' करने वाले छात्र सार्थक सिद्धांत और उनके सहयोगी निसर्ग अधिकारी की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चाहते हैं कि 'युवा रील बनाते रहें और पकौड़े तलते रहें', लेकिन इन दोनों युवाओं ने सवाल उठाए और जवाब भी ढूँढ निकाले। गांधी ने पिछले सप्ताह सार्थक सिद्धांत के साथ अपनी मुलाकात का एक वीडियो एक्स' पर साझा किया, जो सीबीएसई की 'ऑनस्क्रीन मार्किंग सिस्टम' (ओएसएम) से प्रभावित 18 वर्षीय छात्र हैं और जिसने कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाओं में ओएसएम प्रक्रिया के लिए 'पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, अदालत से स्वतः सजावन लेने की मांग है क्योंकि इसका सीधा संबंध वैश्विक स्तर पर समस्त सनातनी समाज की प्रभु राम में गहरी आस्था से जुड़ा है। सरकार की चुप्पी संदिग्ध है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने कहा, 'सार्थक 18 साल का है - पर सोच, साहस और सिद्धांत में किसी से कम नहीं।

उसने और उसके साथी निसर्ग ने वो कर दिखाया जो देश के बड़े मीडिया प्रतिष्ठान, खोजी पत्रकार नहीं कर पाए - सीबीएसई और 'कोएम्प्ट' की मिलीभगत को देश के सामने रख दिया।' उन्होंने कहा कि देश का 18 साल का बच्चा सीबीआई से तेज निकला, नौजवानों की ये जीत सही मायने में सरकार की हार है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, 'मोदी जी चाहते हैं हमारे युवा रील बनाते रहें, पकौड़े तलते रहें, सवाल न पूछें, आंखें न खोलें। पर इन बच्चों ने सवाल भी पूछे और जवाब भी ढूँढ निकाले।' उन्होंने कहा, 'यही है भारत की असली युवा शक्ति - जिज्ञासु, जागरूक, जानकार। और याद रखिए, देश का भविष्य किसी बहकावे में नहीं आएगा।' सीबीएसई ने 'कोएम्प्ट एडुटेक' कंपनी को 'ऑनस्क्रीन मार्किंग सिस्टम' (ओएसएम) का ठेका दिया था। बारहवीं कक्षा के परिणाम में कथित अनियमितताओं के बाद यह विवादों में घिर गया। ओएसएम विवाद के बाद सरकार ने सीबीएसई के दो शीर्ष अधिकारियों को हटा दिया है, हालांकि विपक्षी कांग्रेस ने इसे दिखावा और लीपापोती करार दिया है।

## भारत के लिए खेलना सपना सच होने जैसा है, घरेलू क्रिकेट में की गई मेहनत रंग लाई : मानव सुथार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** युवा मानव सुथार के लिए अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में पहली बार भारतीय टीम में जगह बनाना सपने के सच होने जैसा है जिन्होंने गली-मोहल्लों में क्रिकेट का ककहरा सीखा और लगातार हतोत्साहित किए जाने के बावजूद क्रिकेट को करियर के रूप में चुना। राजस्थान के इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने घरेलू क्रिकेट और भारत ए की तरफ से लगातार अच्छे प्रदर्शन के बलबूते पर भारतीय टीम में जगह बनाई।

सुथार ने जियोस्टार पर कहा, 'क्रिकेट हमेशा से मेरे परिवार का एक अहम हिस्सा रहा है। मेरे पिताजी को क्रिकेट बहुत पसंद है और घर में सभी लोग नियमित रूप से मैच देखते हैं। बचपन में ही उनके साथ बैठकर मैच देखा करता था। यहीं से क्रिकेट के प्रति मेरी दिलचस्पी बढ़ी। मैंने अपने दोस्तों के साथ गलियों में खेलना शुरू किया। गली क्रिकेट में मैंने इस खेल का ककहरा सीखा जैसे बल्ला पकड़ना और गेंदबाजी करना।'

उन्होंने कहा, 'जब मैं 10 या 11 साल का था, तब मैंने एक अच्छी क्रिकेट अकादमी में प्रवेश लिया तथा कोच धीरज सर और विनोद सर के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेना शुरू किया। उन्होंने मुझे सही तकनीक सिखाई और मेरे खेल को बेहतर बनाने में मदद की।' सुथार ने कहा, 'मुझे पहली बड़ी सफलता तब मिली जब मैं अंडर-14 वर्ग में राजस्थान के लिए खेला। उससे मुझे काफी प्रेरणा मिली और मुझे लगा कि मैं क्रिकेट को अपना करियर बना सकता हूँ।' मानव के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने तक का सफर आसान नहीं रहा लेकिन टीम में एक स्थान के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए उन्होंने हौसला नहीं खोया और मेहनत करते रहे।

उन्होंने कहा, 'भारत जैसे बड़ी जनसंख्या वाले देश में क्रिकेट में सफल होना कभी आसान नहीं होता। कुछ ही स्थान के लिए कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा करते हैं। मुझे भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। कई लोगों ने मुझे



अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में कोई संभावना नहीं है और मैं अपना समय बर्बाद कर रहा हूँ।' मानव ने कहा, 'लेकिन मैंने हार नहीं मानी। मैं लगातार कड़ी मेहनत करता रहा। मुझे भारतीय टीम में चुने जाने की उम्मीद थी। यह इंतजार का खेल था और मैंने धैर्य बनाए रखा।'

सुथार ने 2022-23 रणजी ट्रॉफी से ही लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने अब तक 29 प्रथम श्रेणी के मैचों में 129 विकेट लिए हैं। उन्होंने बल्लेबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया और खुद को एक ऑलराउंडर के रूप में स्थापित किया। उनके नाम पर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अभी तक एक शतक और छह अर्धशतक दर्ज हैं। उन्होंने 2024 में गुजरात टाइटन्स के साथ आईपीएल में पदार्पण किया, लेकिन उस सत्र में केवल एक मैच खेला। उन्हें 2025 में खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन 2026 में उन्होंने चार मैच खेले।

उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम में जगह बनाने का सफर असाधारण है। घरेलू क्रिकेट और भारत ए के लिए की गई सारी मेहनत रंग लाई है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। सारी कुर्बानियों का आखिरकार फल मिल गया। मैं देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हूँ।'

## असम के मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को सौंपी जिलों की जिम्मेदारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**गुवाहाटी/भाषा।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंत्रिमंडल के अपने 16 सहयोगियों को जिले का प्रभार आवंटित करने की रविवार को घोषणा की। इन मंत्रियों को स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय कर संबंधित जिलों में विकास कार्यों की निगरानी और देखरेख की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रभारी मंत्री के रूप में वे अपने-अपने जिलों में सभी सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के सुचारु तथा प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होंगे।

शर्मा ने पोस्ट में कहा, 'मुझे असम सरकार के मंत्रियों को जिलों का प्रभार सौंपने की घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है। मुझे विश्वास है कि सभी मंत्री जिला प्रशासन के साथ मिलकर काम करेंगे और राज्य की प्रगति तथा समृद्धि की यात्रा को और अधिक गति प्रदान करेंगे।' रामेश्वर तेली को तिनसुकिया और कार्बिहाट का प्रभार दिया गया है, जबकि अतुल बोरा को कामरूप महानगर और धेमाजी की जिम्मेदारी दी गई है। कोकराझार, बक्सा और चिरांग चरण बोरो को, मोरिंगांव और कामरूप अर्जन्ता निओंग को, बोर्डीगांव और बारपेटा अक्षिणी रे सरकार को, दरंग और धुबुरी अशोक सिंघल को, शिवसागर और चराइयव बिमल बोरा को, और नलबाड़ी और सोनितपुर विस्वजित देमारी को आवंटित किए गए हैं।

## 'इंडि जनबंधन' एकजुट, 23 पार्टियों ने मागीदारी की पुष्टि की : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस ने कहा कि 23 राजनीतिक दलों ने सोमवार को यहां कॉन्फिडेंसियल क्लब में होने वाली 'इंडि जनबंधन' की बैठक में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है और इस बात पर जोर दिया कि विपक्षी गुट अपनी विधिवतता के बावजूद एकजुट है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि कुछ राजनीतिक दलों ने अपने-अपने कारणों से इस विशेष बैठक में शामिल होने में असमर्थता जताई है। उन्होंने कहा, 'सरकार करोड़ों भारतीयों के मतदान के अधिकार को कर्मजोर कर रही है, संविधान पर लगातार आघात कर रही है, जांच एजेंसियों के जरिए विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही है, करोड़ों लोगों की आजीविका को नुकसान पहुंचा रही है, लगातार बढ़ती महंगाई से परिवारों का बजट वगाड़ रही है, लाखों युवाओं की उम्मीदों और आकांक्षाओं को तोड़ रही है, निवेश के माहौल को प्रभावित कर रही है और अपनी विदेश नीति के जरिए राष्ट्रीय हितों से समझौता कर रही है।' उन्होंने कहा कि भारत की तरफ ही 'इंडि जनबंधन' अपनी विधिवतता के बावजूद एकजुट है। 'इंडि' गठबंधन 2029 के लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए अपनी आगामी रणनीति और



विपक्ष की कार्ययोजना पर विचार-विमर्श करने वाला है। बैठक में राष्ट्रीय मुद्दों पर नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को घेरने के लिए साझा रणनीति तैयार करने पर भी चर्चा की जाएगी। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब गठबंधन के कुछ घटक दलों के बीच संबंधों में तनाव देखा जा रहा है। द्रविड़ मुन्नेट्र कळम (द्रमुक) ने तमिलनाडु में कांग्रेस पर 'कथित विद्यालय' का आरोप लगाते हुए बैठक से दूरी बनाने का फैसला किया है। वहीं माक्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने कांग्रेस के शीर्ष नेताओं द्वारा केरल में वाम दलों पर भाजपा के साथ मिलीभगत का आरोप लगाए जाने पर नाराजगी जताई है। सूत्रों के अनुसार, माकपा महासचिव एम.ए. बेबी ने हाल में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की उन टिप्पणियों पर स्पष्टीकरण मांगा है, जिनमें केरल में वामपंथी दल और भाजपा के बीच राजनीतिक मिलीभगत का जिक्र किया गया था। यह बैठक हाल में हुए विधानसभा चुनावों की पृष्ठभूमि में भी हो रही है, जिनमें तुण्मूल कांग्रेस को पश्चिम बंगाल और द्रमुक को तमिलनाडु में सत्ता से बाहर होना पड़ा।

## वैभव सूर्यवंशी के परिजनों ने कहा, वैभव की मेहनत रंग लाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**समस्तीपुर/भाषा।** बिहार के 15 वर्षीय प्रतिभाशाली बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली श्रृंखला के लिए भारतीय टी20 टीम में चयन पर उनके परिवार ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी मेहनत अब रंग ला रही है। सूर्यवंशी को शनिवार को भारतीय टीम में चुना गया। वह 15 साल और 71 दिन की उम्र में भारतीय टीम में स्थान बनाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। अगर उन्हें खेलने का मौका मिलता है तो वह भारत की तरफ से



सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का सचिन तेंदुलकर रिकॉर्ड तोड़ देंगे।

जून) के लिए आयरलैंड का दौरा करेंगे। इसके बाद यह टीम एक से 11 जुलाई के बीच इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलेगी। वैभव के पिता संजीव सूर्यवंशी ने पत्रकारों से कहा, बचपन से ही उसने जो कड़ी मेहनत की है, उसका फल अब मिल रहा है। देश के लिए खेलने का मौका मिलना बहुत बड़ी उपलब्धि है। मेरी इच्छा आज पूरी हो गई। उन्होंने अपने बेटे पर भरोसा जताने के लिए चयनकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 'इस युवा क्रिकेटर को अब बस उस भरोसे पर खरा उतरने की जरूरत है।' वैभव की दादी उषा सिंह ने कहा, 'यह हमारे लिए बेहद खुशी की बात है कि मेरा पोता भारत की सीनियर टीम की तरफ से खेलने की उपलब्धि हासिल करने वाला है।' वैभव के चाचा राजीव सूर्यवंशी ने कहा कि उनके चयन से पूरे देश में खुशी और उत्साह का माहौल बन गया है। उन्होंने कहा, 'हम इससे अधिक की क्या उम्मीद कर सकते थे। मैं चयनकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ और वैभव को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई देता हूँ।' सूर्यवंशी का टीम में शामिल होना लगभग तय था, क्योंकि उन्होंने आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए 237.30 के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए थे, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल थे।

## सुविचार

कठिन परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता, क्योंकि सफलता हमेशा मेहनत करने वालों के कदम चूमती है।

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

## सीजेपी का फ्लॉप शो

काँकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को सोशल मीडिया पर जो प्रसिद्धि मिली, वह दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान कहीं दिखाई नहीं दी। यह कहना गलत नहीं होगा कि उसका पहला ही प्रदर्शन 'फ्लॉप शो' साबित हुआ। कहां तो ये दावे किए जा रहे थे कि देश का युवा सीजेपी को हाथोंहाथ लेगा, वह इसका झंडा उठाकर निकल पड़ेगा, लेकिन युवा तो आया ही नहीं! विरोध प्रदर्शन में वे ही चेहरे ज्यादा दिखाई दिए, जो 'किसान आंदोलन' से लेकर अन्य विरोध प्रदर्शनों में दिखाई देते रहे हैं। प्रदर्शनकारियों में आधी भीड़ तो यूट्यूबर्स और उन लोगों की थी, जो फोटो-वीडियो लेकर अपने सोशल मीडिया अकाउंट में कुछ जान जालना चाहते थे। हालांकि उन्हें निराश नहीं होना पड़ा। कई लोग ऐसे थे, जिन्हें यह तक नहीं पता था कि प्रदर्शन क्यों हो रहा है! वे केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगते दिखाई दिए, लेकिन जब उनसे मंत्री का नाम पूछा गया तो बगलें झाने लगे। कुल मिलाकर न यह प्रदर्शन नया था, न इसके लोग नए थे। हां, काँकरोच के मुखांत जलरु नए थे, जो युवाओं को आकर्षित नहीं कर पाए। युवा समझ चुका है कि यह देश में अस्थिरता और हुड़दंग फैलाने की मंशा रखने वालों का जमघट है। वह इसका हिस्सा नहीं बनना चाहता। वह काँकरोच नहीं बनना चाहता। वह एक जिम्मेदार नागरिक बनना चाहता है। जो लोग इस प्रदर्शन में आए, उनमें से ज्यादातर दोपहर तक सेल्फी लेकर चलते बने। प्रदर्शन के पक्ष में माहौल बनाने के लिए कोशिशें खूब हुईं। सोशल मीडिया पर महफिल जमी। ऐसा दिखाया गया कि अभिजीत दीपके कोई महान उद्धारक बनकर आ रहे हैं, जो एक छोड़ी घुमाएंगे और सारी समस्याएं दूर हो जाएंगी।

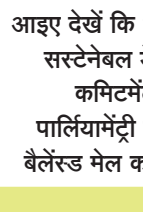
सीजेपी वालों की मंशा जरूर रही होगी कि दिल्ली पुलिस उन्हें विरोध प्रदर्शन की इजाजत न दे, ताकि उसके बाद उन्हें यह कहने का मौका मिले कि 'हमारी आवाज दबाई जा रही है' और वे पूरे देश में बवाल मचाते फिरें। पुलिस ने प्रदर्शन की इजाजत देकर उस दांव की हवा निकाल दी। कुछ लोगों के मन में यह सोचकर लड्डू फूट रहे थे कि इधर युवाओं का हजूम उमड़गा, उधर पुलिस के हाथ-पांव फूलेंगे... वह अभिजीत दीपके को शांति के लिए खतरा बताकर गिरफ्तार करेगी। अगर गिरफ्तार नहीं करेगी तो दिल्ली से बाहर जाने के लिए कह देगी और सीजेपी के पास यह कहने का बहाना होगा कि भारत में असहिष्णुता बढ़ गई है। ऐसा कुछ नहीं हुआ। उनके मन में फूट रहे लड्डू बाद में फीके निकले। जब खयाली पुलावों के सहारे सुधार करने निकलते हैं तो ऐसा ही होता है। बड़ा सवाल है- सीजेपी सोशल मीडिया पर तेजी से उभरी, उसे पूरा मौका दिया गया, वह शक्ति प्रदर्शन करने आई, लेकिन यह 'फ्लॉप शो' कैसे हुआ? दरअसल लोग सोशल मीडिया पर उभरने वाली हर चीज से कुछ ज्यादा ही उम्मीद लगा बैठते हैं। वे धरातल पर कमाल दिखा पाएंगे, यह जरूरी नहीं है। इसमें कोई शक नहीं कि युवाओं में आक्रोश है। पेपर लोक, धांधली, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, अत्याचार जैसे मुद्दों को लेकर युवाओं में आक्रोश है। जब वे सोशल मीडिया पर देखते हैं कि कुछ लोग पैसे और पहचान के दम पर गलत तरीके से आगे बढ़ रहे हैं, सरकारी दफ्तरों में रिश्तखोरी है और भ्रष्ट अधिकारी बेलागम हैं, पढ़ाई-लिखाई के बावजूद रोजगार नहीं मिल रहा है, परिवार और रिश्तेदारों से ताने सुनने पड़ रहे हैं तो अलग... ऐसे में युवाओं के आक्रोश को धुनाने के लिए कोई मंच बनाया जाता है तो लोग उसकी ओर ध्यान देते हैं। यह स्वाभाविक है। वे भले ही उसके प्रदर्शन का हिस्सा न बनें, लेकिन मन में यह विचार रहता है कि शायद कुछ बेहतर हो जाए! यह सोचकर वे उसके सोशल मीडिया अकाउंट से जुड़ जाते हैं। सीजेपी के इस प्रदर्शन ने साबित कर दिया कि देश के युवाओं को केंद्र सरकार से शिकायत जरूर है, वहीं उम्मीद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ही है। मोदी यह उम्मीद न टूटने दें। युवाओं की हर समस्या का समाधान होना चाहिए।

## ट्वीटर टॉक



वंदे गंगा - जल संरक्षण जन अभियान के तहत आज बड़ा पुष्कर में विधिवत पूजा-पाठ और अनुष्ठान करके राज्य के सभी निवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की गई। मैंने स्थानीय निवासियों के साथ जल संरक्षण और जल संवर्धन के संकल्प को दोहराया।

-दिया कुमारी



आइए देखें कि भारत की संसद एनवायरनमेंट की सुरक्षा, सरस्टेनेबल डेवलपमेंट और ग्रीन फ्यूचर के लिए अपने कमिटेमेंट को कैसे पूरा कर रही है। इको-फ्रेंडली पार्लियामेंट्री बिल्डिंग्स जैसी पहलें नेचर और प्रोग्रेस के बैलेंस्ड मेल का एक इंस्पायरिंग उदाहरण पेश करती हैं।

-ओम बिरला



बीजीएस मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में सुपर स्पेशियलिटी सेंटर और बेंगलुरु में आयुर्वेदिक कॉलेज का उद्घाटन किया। ये संस्थान सरस्ती, आसान और होलिस्टिक हेल्थकेयर को मजबूत करने और मेडिकल प्रोफेशनल्स की अगली पीढ़ी को तैयार करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

## प्रेरक प्रसंग

## टढ़ संकल्प की शक्ति

एक बार एक गरीब बालक था, जिसका सपना पढ़-लिखकर बड़ा अधिकारी बनने का था। उसके परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर थी। कई बार उसे पढ़ाई छोड़कर काम करने की सलाह दी गई, लेकिन उसने हार नहीं मानी। वह दिन में काम करता और रात को सड़क किनारे लगी स्ट्रीट लाइट के नीचे बैठकर पढ़ाई करता था। एक दिन किसी ने उससे पूछा, इतनी कठिनाइयों के बावजूद तुम पढ़ाई क्यों करते हो? बालक ने मुस्कुराकर उत्तर दिया, आज की कठिनाइयों ही मेरे उज्वल भविष्य की नींव हैं। उसकी मेहनत और लगन रंग लाई। वर्षों की अथक मेहनत के बाद वह एक प्रतिष्ठित अधिकारी बन गया। जब लोगों ने उसकी सफलता का रहस्य पूछा, तो उसने कहा, सफलता भाग्य से नहीं, बल्कि निरंतर प्रयास, धैर्य और आत्मविश्वास से मिलती है। शिक्षा: जीवन में परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि व्यक्ति अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ संकल्पित रहे और निरंतर प्रयास करता रहे, तो सफलता अवश्य प्राप्त होती है। हार मानना असफलता है, जबकि संघर्ष सफलता की पहली सीढ़ी है।

## डैमोग्राफी बदलाव भारत की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा

मनोज कुमार अग्रवाल

मोबाइल : 9219179431

ज नसांख्यिकीय बदलाव के कारणों के अध्ययन, अवैध प्रवासन की जांच और समाधान हेतु भारत सरकार ने हाल ही में जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर की अध्यक्षता में एक हाई-लेवल कमेटी का गठन किया है। यह समिति राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक संतुलन पर पड़ने वाले प्रभावों का आकलन कर रही है। इसके अतिरिक्त, डेमोग्राफिक डिविडेंड (जनसांख्यिकीय लाभ) का लाभ उठाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए मुख्य कदम निम्नलिखित हैं। डीसीयुवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए स्किल इंडिया मिशन और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना चलाई जा रही है। रोजगार और उद्यमिता और मुद्रा योजना के माध्यम से स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है। नई शिक्षा नीति 2020 के तहत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

आपको बता दें डेमोग्राफिक चेंज पर केंद्र सरकार ने हाई लेवल कमेटी का गठन किया है। बता दें कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में डेमोग्राफिक चेंज और घुसपैठ बड़ा मुद्दा था। इस मुद्दे को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तत्कालीन ममता बर्नजी सरकार का घेराव किया था। इसी आधार पर भाजपा ने विधानसभा चुनाव में तुलमूल कांग्रेस को मात दी और पूर्ण बहुमत से सत्ता हासिल की। ऐसे में अब केंद्र सरकार द्वारा डेमोग्राफिक चेंज पर हाई लेवल कमेटी गठित करना अहम माना जा रहा है।

डेमोग्राफिक चेंज पर केंद्र सरकार ने हाई लेवल कमेटी का गठन किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार (26 मई 2026) को इसकी घोषणा की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि घुसपैठ और अन्य कारणों से किसी भी राष्ट्र के वर्तमान व भविष्य के लिए एक बड़ा खतरा है। इसी चुनौती से निपटने के लिए 15 अगस्त 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डेमोग्राफिक चेंज पर 'हाई लेवल कमेटी' बनाने की घोषणा की थी। गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सरकार ने इस कमेटी का गठन कर लिया है। जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर (सैवानियू) की अध्यक्षता में बनी इस कमेटी में जनगणना आयुक्त के साथ दुर्गा शंकर मिश्रा (रिटायर्ड आईपीएस), बालाजी श्रीवास्तव (रिटायर्ड आईपीएस) और डॉ. शमिका रवि



समिति के सदस्य होंगे। संयुक्त सचिव (फॉरेंस-1), गृह मंत्रालय, इस समिति के सदस्य सचिव होंगे।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में डेमोग्राफिक चेंज और घुसपैठ बड़ा मुद्दा था। इस मुद्दे को लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने तत्कालीन ममता बर्नजी सरकार का घेराव किया था। इसी आधार पर बीजेपी ने विधानसभा चुनाव में तुलमूल कांग्रेस को मात दी और पूर्ण बहुमत से सत्ता हासिल की। ऐसे में अब केंद्र सरकार द्वारा डेमोग्राफिक चेंज पर हाई लेवल कमेटी गठित करना अहम माना जा रहा है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त 2025 कहा था कि भारत अवैध घुसपैठ से निपटने के लिए जनसांख्यिकीय मिशन शुरू करेगा। उन्होंने लोगों को अवैध घुसपैठ के माध्यम से देश की जनसांख्यिकी को बदलने की सोची-समझी साजिश के बारे में चेतावनी दी और कहा कि कोई भी राष्ट्र घुसपैठियों को बढ़ावा नहीं कर सकता, क्योंकि उन्होंने इस समस्या से निपटने के लिए एक उच्च स्तरीय जनसांख्यिकीय मिशन की घोषणा की। उन्होंने कहा था आज देश के सामने एक चिंता, एक चुनौती के संबंध में आगाह करना चाहता हूँ। षड्यंत्र के तहत, सोची समझी साजिश के तहत देश की डेमोग्राफी को बदला जा रहा है। एक नए संकट के बीच बोल जा रहे हैं और यह घुसपैठ, मेरे देश के नौजवानों के रोजी-रोटी छीन रहे हैं। यह घुसपैठ मेरे देश की बहन बेटियों को निशाना बना रहे हैं, यह बढ़ावा नहीं होगा। यह घुसपैठि धोले धोले आदिवासियों को भ्रमित करके उनकी जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं। यह देश सहन नहीं करेगा और इसलिए मेरे प्यारे देशवासियों जब डेमोग्राफी परिवर्तन होता है, सीमावर्ती क्षेत्रों में डेमोग्राफी में परिवर्तन होता है, तब राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए

संकट पैदा होता है। देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए यह संकट पैदा करता है। सामाजिक तनाव के बीज बो देता है और कोई देश अपना देश घुसपैठियों के हवाले नहीं कर सकता है। दुनिया का कोई देश नहीं कर सकता है, तो हम भारत को कैसे कर सकते हैं? हमारे पूर्वजों ने त्याग और बलिदान से आजादी पाई है। हमें स्वतंत्र भारत दिया है, उन महापुरुषों के प्रति हमारा कर्तव्य है कि हम हमारे देश में ऐसी हरकतों को स्वीकार न करें, उनकी सभी श्रद्धांजलि होगी और इसलिए मैं आज लाल किले को प्राचीर से कहना चाहता हूँ। हमने एक हाई पावर डेमोग्राफी मिशन शुरू करने का निर्णय किया है। यह मिशन, इस मिशन के द्वारा यह भीषण संकट नजर आ रहा है, भारत पर मंडरा रहा है यह जो संकट है, उसको निपटाने के लिए तब समय में सुविचारित निश्चित रूप से अपने कार्य को करेगा, उस दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं।

वर्ष 1951 से 2011 तक की जनगणना में जो सभी धर्मों की जनसंख्या वृद्धि में असमानता दिखती है, उसका प्रमुख कारण घुसपैठ है। इस देश में 1951, 1971, 1991 और 2011 में जनगणना हुई, जिनमें 1951 से ही धर्म पृष्ठाने की परंपरा रही है। 1951 की जनगणना में हिंदू आबादी 84 प्रतिशत थी, जबकि मुस्लिम आबादी 9.8 प्रतिशत थी। 1971 में हिंदू आबादी 82 प्रतिशत और मुस्लिम आबादी 11 प्रतिशत हो गई। 1991 में हिंदू आबादी 81 प्रतिशत और मुस्लिम आबादी 12.2 प्रतिशत हो गई। वहीं, 2011 में हिंदू आबादी 79 प्रतिशत और मुस्लिम आबादी 14.2 प्रतिशत हो गई। मुस्लिम आबादी में 24.6 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई है, जबकि हिंदू आबादी में 4.5 प्रतिशत की कमी आई है। मोदी सरकार की

घुसपैठ विरोधी उड़ी नीति- पहचान करना मतदाता सूची से हटवाना, उन्हें वापस भेजना है। सबसे गौरतलब बात है कि भारत में मुस्लिम समुदाय की आबादी हिंदू आबादी की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ रही है। साल 2010 में 14.47 से बढ़कर 2050 में 18.47 होने का अनुमान है।

बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कहा था कि झारखंड की आदिवासी आबादी में गिरावट के पीछे बांग्लादेशी घुसपैठ का हाथ है। उन्होंने मांग की थी कि राज्य के कुछ हिस्सों के साथ-साथ पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद और मालदा जिलों और बिहार के किशनगंज और कटिहार को केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया जाए ताकि क्षेत्र में बांग्लादेश से अवैध प्रवासियों की बढ़ती संख्या से उपज चुनौती से निपटा जा सके, जिसके कारण, उनके अनुसार, आदिवासी आबादी में काफी कमी आई है। लोकसभा में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाया और कहा कि झारखंड के संथाल परगना क्षेत्र में आदिवासियों की आबादी बांग्लादेशी घुसपैठियों की बढ़ती संख्या के कारण घट रही है। उन्होंने कहा कि संथाल परगना क्षेत्र में आदिवासी आबादी 2000 में 36 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 26 प्रतिशत रह गई है। उन्होंने पूछा, 'ये आदिवासी कहां चले गए?' वर्ष 2014 से, भारत की सीमाओं पर घुसपैठ के 8,500 से अधिक प्रयासों का पता चला है, जबकि 20,000 से अधिक घुसपैठियों का गिरफ्तार किया गया है।

भारत में जनसांख्यिकीय बदलाव को लेकर सुरक्षा, अर्थशास्त्र और नीति निर्माण के स्तर पर अलग-अलग दृष्टिकोण हैं। केंद्र सरकार और सुरक्षा विश्लेषकों का एक वर्ग इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक संतुलन के लिए गंभीर चुनौती मानता है, जबकि अर्थशास्त्री और जनसांख्यिकी विशेषज्ञ इसे गिरती प्रजनन दर और बुजुर्ग आबादी से जुड़ी आर्थिक चुनौती के रूप में देखते हैं। इस विषय को मुख्य रूप से अलग-अलग दृष्टिकोणों के माध्यम से समझा जा सकता है। सुरक्षा और सामाजिक संतुलन का दृष्टिकोण इस दृष्टिकोण के तहत, देश के कुछ विशिष्ट क्षेत्रों, विशेषकर सीमावर्ती इलाकों में हो रहे अस्वाभाविक जनसांख्यिकीय बदलाव को एक बड़ा खतरा माना जाता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, अवैध घुसपैठ और अनियमित प्रवासन के कारण सीमावर्ती राज्यों (जैसे असम, पश्चिम बंगाल, और बिहार) की जनसंख्या बनावट में अस्वाभाविक बदलाव आए हैं, जो कानून-व्यवस्था और संप्रभुता के लिए चिंता का विषय हैं। सरकार को गंभीरता से सख्त कदम उठाने चाहिए।

## नजरिया

## पृथ्वी और मानव जीवन की अमूल्य धरोहर है महासागर

वाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : .

विश्व महासागर दिवस प्रतिवर्ष 8 जून को मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य लोगों को समुद्र की विशेषता और बहुमूल्य वस्तुओं की सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना है। इसके लिए हर वर्ष एक थीम जारी की जाती है। थीम जारी करने का उद्देश्य लोगों तक समुद्र के बारे में जागरूक करना है। इस वर्ष 2026 की थीम हमारे नीले ग्रह के लिए मजबूत समुद्री संरक्षित क्षेत्र रखी गई है।

इन पंक्तियों के लेखक ने ब्रिटेन के अनेक महासागरों का अवलोकन करते हुए समुद्र तटों की सैर का आनंद लिया है। ब्रिटेन के लोग आज भी समुद्रों की सुरक्षा के प्रति जागरूक हैं। यहाँ के लोग इस बात का ध्यान रखते हैं कि समुद्र प्रदूषण का शिकार नहीं हो। फिर भी समुद्र में कचरा आदि बहाने की अनेक घटनाएँ देखने और सुनने को मिलती हैं। हर साल महासागर दिवस इसीलिए मनाया जाता है कि हम महासागरों को स्वच्छ रखें और मानव मित्र के रूप में इनकी रक्षा करें।

पृथ्वी पर जीवन का आरंभ महासागरों से माना जाता है। महासागर हमारी पृथ्वी का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा कवर करते हैं। इन्हें केवल पानी का एक विशाल भंडार समझना बहुत बड़ी भूल होगी। ये वास्तव में हमारे ग्रह की जीवन रेखा हैं। पृथ्वी की 50 प्रतिशत से अधिक ऑक्सीजन का उत्पादन महासागरों द्वारा किया जाता है। यह पृथ्वी की जलवायु और ग्लोबल वार्मिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विश्व की आधी से अधिक ऑक्सीजन महासागरों द्वारा उत्पादित होती है और यह हमारे वायुमंडल की तुलना में 50 गुना अधिक कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करती है। इसमें मनुष्य जीवन के साथ साथ समुद्री जीव जंतु और पेड़ पौधों का जीवन निर्वाह होता है।

महासागर असीम जैव विविधता का भंडार है। हमारी पृथ्वी का लगभग 70 प्रतिशत भाग महासागरों से घिरा है। महासागरों में पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का लगभग 97 प्रतिशत जल समाया हुआ है। दुनियाभर के सागरों और महासागरों का क्षेत्रफल 367 मिलियन वर्ग किलोमीटर है। महासागर रोजगार



पृथ्वी पर जीवन का आरंभ महासागरों से माना जाता है। महासागर हमारी पृथ्वी का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा कवर करते हैं। इन्हें केवल पानी का एक विशाल भंडार समझना बहुत बड़ी भूल होगी। ये वास्तव में हमारे ग्रह की जीवन रेखा हैं। पृथ्वी की 50 प्रतिशत से अधिक ऑक्सीजन का उत्पादन महासागरों द्वारा किया जाता है। यह पृथ्वी की जलवायु और ग्लोबल वार्मिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सुजन का बहुत बड़ा स्रोत है। यह करोड़ों लोगों के पेट भरने का उद्गम स्थल है। मानव जीवन को ऑक्सीजन महासागरों से मिलती है। महासागर हमारे भोजन और दवाओं का भंडार है। यहाँ लाखों प्रजातियों के जीव जंतु मिल जाते हैं। देश और दुनिया के पर्यावरण को संतुलित करने का काम भी महासागरों के माध्यम से होता है। महासागर के छोटे छोटे भागों को समुद्र तथा खाड़ी कहते हैं। महासागरों की

विशालता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यदि पृथ्वी के सभी महासागरों को एक विशाल महासागर मान लिया जाए तो उसकी तुलना में पृथ्वी के सभी महासागर एक छोटे द्वीप से प्रतीत होंगे। पृथ्वी पर पाँच महासागर हैं। इनमें प्रशांत महासागर 6,36,34,000 वर्ग मील, एटलैंटिक महासागर 3,13,50,000 वर्ग मील, हिंद महासागर 2,83,56,000 वर्ग मील, आर्कटिक महासागर

40,00,000 वर्ग मील तथा ऐंटार्क्टिक महासागर 57,31,000 वर्ग मील में फैला हुआ है।

सागर दुनिया भर के लोगों के लिए भोजन, मुख्य रूप से मछली उपलब्ध कराता है किंतु इसके साथ ही यह कस्तूरों, सागरीय स्तनधारी जीवों और सागरीय शैवाल की भी पर्याप्त आपूर्ति करता है। सागर के अन्य उपयोगों में व्यापार, यात्रा, खनिज दोहन, बिजली उत्पादन और नौसैनिक युद्ध शामिल हैं। वहीं आनंद के लिए की शायी गतिविधियाँ जैसे कि तैराकी, नौकायन और स्कूबा डाइविंग के लिए भी सागर एक आधार प्रदान करता है। खूबसूरत समुद्री तटों को देखने और समुद्र की लहरों से अठखेलियाँ करने के लिए महासागर पर्यटकों की सबसे पसंदीदा जगह है। यहाँ उठती समुद्री तरंगें और उफनता समुद्र मन को तरोताजा कर देता है। इसका प्राकृतिक दृश्य मन मोह लेने वाला है। वास्तव में यहाँ का मनोरम दृश्य तुलना से परे है। समुद्र के सुनहरे और लुभावने तटों पर मनोरंजन के लिये सैर-सपाटा करना सैलानियों के लिये कोई नई बात नहीं है। सैलानी वहीं स्वर्गिक आनंद का अनुभव करते हैं। समुद्र के सौंदर्य को देखकर पर्यटकों की हृदय गति तीव्र हो जाती है। मानव जीवन को विभिन्न प्रकार से जीवन दान देने वाले महासागरों में बढ़ता प्रदूषण चिंता का विषय बनता जा रहा है। अरबों टन प्लास्टिक का कचरा हर साल महासागर में समा जाता है। आसानी से विघटित नहीं होने के कारण यह कचरा महासागर में जस का तस पड़ा रहता है। अकेले हिंद महासागर में भारतीय उपमहाद्वीप से पहुँचने वाली भारी धातुओं और लवणीय प्रदूषण की मात्रा प्रतिवर्ष करोड़ों टन है। विषैले रसायनों के रोजाना मिलने से समुद्री जैव विविधता भी प्रभावित होती है। इन विषैले रसायनों के कारण समुद्री वनस्पति की वृद्धि पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है।

विश्व में होने वाली वर्षा महासागरों पर ही निर्भर है। महासागर कभी सूखता नहीं, क्योंकि इसमें से जितना पानी वाष्प बनकर उड़ता है। यह वर्षा द्वारा नदियों में बहकर पुनरुत्पन्न सागर में मिल जाता है। इस प्रकार से पानी का एक चक्र बना रहता है। महासागर लहरों तथा ज्वार भाटा से कई प्रकार के कटाव एवं जमाव करता है, जिनसे विशेष प्रकार की भू-आकृतियाँ बनती हैं। लहरों से विभिन्न प्रकार के द्वीप तथा खाड़ियाँ का निर्माण होता है।

## महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekanth Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वार्मिग, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी यह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उद्योगों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा वारा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकों को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। - दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# प्रधानमंत्री मोदी ने 'यूएन मिलिट्री जेंडर एडवोकेट अवॉर्ड' के लिए मेजर अभिलाषा बराक को बधाई दी



दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मेजर अभिलाषा बराक को यूएन मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवॉर्ड से सम्मानित किए जाने पर रविवार को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सम्मान मेजर बराक की अनुकरणीय सेवाओं के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में भारत के लंबे योगदान को भी मान्यता है। मेजर बराक वर्तमान में लेबनान में संयुक्त राष्ट्र मिशन में तैनात हैं। उन्हें पश्चिम एशियाई देश में तैनाती के दौरान

महिलाओं और लड़कियों तक पहुंच बनाने तथा उनके साथ संवाद स्थापित करने के प्रयासों के लिए यह पुरस्कार दिया गया है। वह भारतीय सेना की पहली महिला लड़ाकू हेलीकॉप्टर पायलट भी हैं।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'मेजर अभिलाषा बराक को 'यूएन मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवॉर्ड' से सम्मानित किए जाने पर बधाई।' उन्होंने कहा कि मेजर बराक संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल लेबनान (यूएनआईएफएईएल) में एंजमेंट टीम 'कमांडर' और 'जेंडर फोकल प्वाइंट' के रूप में कार्यरत हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, "यह

सम्मान अनुकरणीय सेवाओं को मान्यता है और साथ ही संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में भारत के लंबे योगदान का भी सम्मान है। उनकी यह उपलब्धि उन अनगिनत युवा भारतीयों, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा है, जो राष्ट्र और मानवता की सेवा का सपना देखते हैं।" संयुक्त राष्ट्र शांति सेना के अनुसार, यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष सभी शांति अभियानों में बल कमांडर और मिशन प्रमुखों की ओर से नामित उम्मीदवारों में से चुने गए विजेताओं को दिया जाता है।

# दीर्घकालिक पूंजी के लिए भारत दुनिया का सबसे आकर्षक गंतव्य : आईएचसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**मुंबई।** अग्रणी स्थिति दिग्गज निवेश कंपनी इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी (आईएचसी) की वरिष्ठ अधिकारी मरियम बिनत मोहम्मद अल्महेद्री ने कहा कि उर्जा, बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में मौजूद व्यापक अवसरों के साथ भारत दीर्घकालिक पूंजी के लिए दुनिया के सबसे आकर्षक गंतव्यों में से एक के रूप में उभर रहा है। अदाणी समूह द्वारा आयोजित निवेशक सम्मेलन को संबोधित करते हुए अल्महेद्री ने

कहा कि भारत वैश्विक निवेशकों को बड़े पैमाने पर वृद्धि के अवसरों के साथ-साथ दीर्घकालिक और मजबूत साझेदारी बनाने का मौका दे रहा है। उन्होंने कहा, "अदाणी समूह के साथ हमारी एक बहुत बड़ी साझेदारी है, जिसमें हम निवेश कर रहे हैं और हमें इस पर बेहद गर्व है।" करीब 234 अरब अमेरिकी डॉलर के बाजार पूंजीकरण के साथ पश्चिम एशिया की सबसे बड़ी सूचीबद्ध कंपनियों में से एक आईएचसी ने अदाणी समूह के साथ मिलकर नवीकरणीय उर्जा, बैटरी भंडारण, बिजली पारेषण (ट्रांसमिशन) और परमाणु से जुड़े

अवसरों सहित विभिन्न क्षेत्रों में लगभग दो अरब डॉलर निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। इस सम्मेलन में 800 से अधिक निवेशकों, बैंकों, फंड प्रबंधकों और कंपनियों के अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में शामिल लोगों के अनुसार, इस सम्मेलन में अदाणी समूह ने अपने विस्तार के अगले चरण की योजनाओं की रूपरेखा साझा की और खुद को भारत के बुनियादी ढांचे तथा उर्जा निर्माण के केंद्र में स्थापित करने का प्रयास किया।

अदाणी समूह के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस अवसर का उपयोग उर्जा, लॉजिस्टिक्स, हवाई

अड्डों, परिवहन बुनियादी ढांचे, डेटा सेंटरों और शहरी विकास से जुड़ी निवेश योजनाओं की रूपरेखा पेश करने के लिए किया। समूह ने पहले अगले चार वर्षों में लगभग 100 अरब डॉलर निवेश करने की योजना की घोषणा की थी, जहां अब अधिकारियों ने संकेत दिया कि परियोजनाओं के आगे बढ़ने के साथ यह आंकड़ा बढ़ सकता है। कार्यक्रम में शामिल लोगों के मुताबिक, सागर अदाणी ने प्रतिभागियों से कहा कि जैसे-जैसे बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ेगा और आर्थिक वृद्धि की रफ्तार तेज होगी, भारत अगले एक दशक में एक बेहद आकर्षक निवेश चरणा में प्रवेश कर सकता है।



# आठ साल की बच्ची के बलात्कार-हत्या मामले में दंपति को मौत की सजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**ढाका/भाषा।** बांग्लादेश की एक अदालत ने आठ साल की बच्ची के बलात्कार और हत्या के मामले में एक दंपति को रविवार को मौत की सजा सुनाई। अदालत ने सिर्फ पांच दिन की सुनवाई के बाद अपना फैसला सुनाया, जिसके मद्देनजर अभियोजकों ने इसे देश में हत्या के किसी मुकदमे का सबसे तेजी से निपटारा कर दिया। ढाका मेट्रोपॉलिटन बाल उत्पीड़न रोकथाम न्यायाधिकरण ने घटना के 19 दिन बाद दोषियों की सजा का एलान किया।

इस मामले में देशभर में आक्रोश पैदा किया और महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ हिंसा को लेकर चिंताएं फिर बढ़ा दीं। न्यायमूर्ति मसरूर सालेकिन ने सोहले राणा और उसकी पत्नी रयाना खातून को मौत की सजा सुनाई तथा उन पर क्रमशः पांच लाख टका और दो लाख टका का जुर्माना भी लगाया।

उन्होंने जुमाने की राशि पीड़ित परिवार को देने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति सालेकिन ने कहा, उन्हें (दोषियों को) फांसी की सजा सुनाई जाती है।

उन्होंने कहा कि अगर दोषी जुमाना अदा नहीं करते हैं, तो उनकी चल और अचल संपत्तियों को जब्त कर नीलाम किया जा सकता है, ताकि राशि की वसूली की जा सके। अभियोजकों के मुताबिक, अदालत में आरोपपत्र दाखिल किए जाने के बाद पांच दिन के भीतर सुनवाई पूरी कर फैसला सुना दिया गया, जिससे यह बांग्लादेश के इतिहास में सबसे तेजी से निपटारा जाने वाला हत्या का मामला बन गया। कोई भी निजी वकील दंपति की पैरवी करने को तैयार नहीं हुआ, जिसके कारण अदालत ने उनके प्रतिनिधित्व के लिए एक सरकारी वकील नियुक्त किया।

सरकारी वकील ने राणा को मृत्युदंड के बजाय उम्रकैद और खातून को उपायवा कठोर सजा नहीं दिए जाने का आग्रह किया।

लड़की के पिता ने कहा कि वह फैसले से संतुष्ट हैं और उम्मीद करते हैं कि इसे जल्द से जल्द लागू किया जाएगा। बांग्लादेशी कानून के तहत, निचली अदालतों की ओर से दी गई मौत की सजा को अमल में लाने से पहले उच्च न्यायालय की ओर से फैसले की समीक्षा और पुष्टि किया जाना जरूरी है। अदालत ने अनुरोध को खारिज कर दिया और फरार हो गया। खातून को अपार्टमेंट से गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि राणा को उसी दिन बाद में नारायणगंज के बाहरी इलाके फतुल्लाह में हिरासत में लिया गया। पुलिस ने बताया कि राणा ने बाद में अदालत के सामने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

# मध्य इजराइल में हमलावर की गोलीबारी में व्यक्ति की मौत, पांच घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**तेल अवीव/एपी।** इजराइली नागरिकता वाले एक फलस्तीनी ने रविवार को मध्य इजराइल के कई कस्बों में अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। यह जानकारी इजराइली पुलिस ने दी। इजराइली पुलिस ने हमलावर को मार गिराया। जिन स्थानों पर लोगों को गोली लगी, उनकी संख्या ने शुरू में इस आशंका को जन्म दिया कि यह कई संगठित समूहों के हमलावरों द्वारा समन्वित हमला हो सकता है। इससे अक्टूबर 2023 में हमला के नेतृत्व वाले हमलों की याद ताजा हो गई। हालांकि, बाद में पुलिस ने निष्कर्ष निकाला कि यह घटना एक अकेले बंदूकधारी और उसके एक सहयोगी द्वारा की गई थी।

बचाव सेवा 'मैन डेविड एडम' ने बताया कि उसे पहली गोलीबारी की सूचना सुबह लगभग 10:30 बजे कोखाव यायर कस्बे के पास एक पेट्रोल पंप पर मिली, जो वेस्ट बैंक की सीमा के इजराइली हिस्से में स्थित है। उसने बताया कि इसके कुछ ही समय बाद इजराइली बस्ती सलाइल के पास त्सूर नवान, त्सूर थिजहाक और वेस्ट बैंक के भीतर भी गोलीबारी की कई घटनाओं की सूचना मिली। पुलिस ने हमले में शामिल एक दूसरे व्यक्ति को रविवार को बाद में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी के दौरान उस व्यक्ति ने कांच की एक बोतल से पुलिसकर्मीयों पर हमला करने का प्रयास किया, लेकिन इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

मामले की आगे जांच जारी है। इजराइल के 'बैनल 12' ने बताया कि हमलावर गोलीबारी के दौरान अपनी कार में ही बैठा रहा, जिससे वह कुछ ही मिनट के भीतर कई स्थानों तक पहुंच सका। इजराइल की बचाव सेवा 'मैन डेविड एडम' के अनुसार, कोखाव यायर कस्बे में हुई गोलीबारी में 35 वर्षीय एक इजराइली व्यक्ति की मौत हो गई। एजेंसी ने बताया कि पीड़ितों में से एक जान बचाने के लिए मैकडॉनल्ड्स रेस्तरां में भागा, जहां उसके खून से सने कपड़े, जिन्हें संभवतः पैरामेडिक्स ने उपचार के दौरान काटा था, प्रवेश द्वार के पास फर्श पर पड़े मिले। बचाव सेवाओं के अनुसार, गोलीबारी में कुल पांच लोग घायल हुए, जिनमें दो की हालत गंभीर और तीन की स्थिति मध्यम बताई गई है। हालांकि हमले के तुरंत बाद की अफरातफरी में पहले कुछ लोगों के घायल होने की सूचना दी गई थी।

क्षेत्रीय परिषद प्रमुख के अनुसार, इलाके के निवासियों को घरों में रहने का निर्देश दिया गया था और बच्चों को कम से कम तीन घंटे तक स्कूल बंद रखा गया। क्षेत्र की क्षेत्रीय परिषद प्रमुख ओश्रित गानी गोनन ने इजराइली मीडिया से कहा, 7 अक्टूबर के बाद हम जिस परिदृश्य की आशंका जता रहे थे, वह यह था कि सीमा पर से कोई आतंकवादी हमारे कस्बों में घुस आएगा। लेकिन किसी ने भी यह कल्पना नहीं की थी कि हमलावर इजराइली नागरिक निकलेगा। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू ने सुरक्षा बलों की त्वरित कार्रवाई की सराहना की। पुलिस की निगरानी करने वाले सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-नविर ने भी हमलावर को पकड़ने वाले सुरक्षा बलों की प्रशंसा की। उन्होंने 'एक्स' पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह हमलावर के शव के पास खड़े नजर आए और कहा, "यह हर आतंकवादी का अंत है, ऐसा ही होना चाहिए।" उन्होंने कहा, "यह आतंकवादियों के लिए परिणाम है, जिनका खाला किया जाना चाहिए-बेहतर है मौके पर ही, यदि नहीं तो आतंकवादियों के लिए लागू मृत्युदंड कानून के तहत, जिसे हमने पारित किया है।" बेन-नविर को पहले भी राजनीतिक समर्थन जुटाने के लिए विवादास्पद वीडियो साझा करने को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** अभिनेता राम चरण अभिनीत फिल्म 'पेदी' में जाह्वी कपूर के किरदार की हो रही आलोचना के बीच अभिनेत्री डिंपल हयाती उनके समर्थन में आई हैं। हयाती ने कहा कि इसके लिए अभिनेत्री को नहीं, बल्कि "व्यवस्था और निर्माताओं" को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। इस तेलुगु फिल्म को लेकर उस समय विवाद खड़ा हो गया, जब दर्शकों के एक वर्ग ने फिल्म के कैमरा वर्क, संवादों और राम चरण तथा जाह्वी कपूर के बीच के रोमांटिक दृश्यों के जरिए "महिलाओं के वस्तुकरण" की आलोचना की। हयाती ने रविवार को अपने 'एक्स' हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा, "मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि आज हम सब इस विषय पर बात कर रहे हैं कि अभिनेत्रियों के किरदार कैसे लिखे जाते हैं। जिस किरदार का प्रस्ताव दिया गया, उसे निभाने के बाद अभिनेत्री को ही दोषी ठहराना स्वाभाविक प्रतिक्रिया बन गई है।" उन्होंने कहा, "अभिनेत्री को दोष मत दीजिए।"



बल्कि उस व्यवस्था और निर्माताओं को जिम्मेदार ठहराए जो वास्तव में देखते हैं कि यही सब (सिनेमा में) बिकता है... और हम कलाकारों को जो भी अवसर मिलते हैं, हम उसी के दायरे में काम करते हैं ताकि कुछ बड़ा कर सकें और इस उम्मीद में रहते हैं कि हमें बड़ी फिल्मों में काम करने और व्यापक दर्शकों तक पहुंचने का मौका मिलेगा।" हयाती ने कहा, "दुर्भाग्य से, हम जो देखते हैं उसी पर विश्वास कर लेते हैं। कोई नहीं जानता कि फिल्म निर्माण में क्या-क्या शामिल होता है; यह किसी एक व्यक्ति की परसंद नहीं होती, लेकिन हम सभी सर्वसम्मति से यह बात रख सकते हैं कि हम बेहतर अनुभव और बेहतर फिल्म निर्माण के हकदार हैं।" जाह्वी कपूर ने 'पेदी' में अपनी भूमिका से जुड़े इस विवाद पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ग्रामीण आंध्र प्रदेश (1980 के दशक) की पृष्ठभूमि पर आधारित 'पेदी' एक निम्न वर्ग के ग्रामीण (राम चरण) की यात्रा को दर्शाती है, जो अपने समुदाय के लिए पहचान और सम्मान हासिल करने के लिए कुश्ती का सहारा लेता है। चार जून को रिलीज हुई इस फिल्म ने वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है।

# अमेरिका में हैदराबाद के युवक की हत्या, परिवार ने न्याय की मांग की

**हैदराबाद/भाषा।** हैदराबाद के 28 वर्षीय युवक की अमेरिका में पिछा पहुंचाने के दौरान कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह जानकारी उसके परिजनों ने यहां दी। परिजनों को मिली सूचना के अनुसार, यह घटना पांच जून को अमेरिका के फिलाडेल्फिया में हुई। युवक का परिवार हैदराबाद के पास गुंडलापोचमपल्ली क्षेत्र में रहता है। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने शनिवार देर रात 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "फिलाडेल्फिया, पेंसिल्वेनिया में भारतीय नागरिक अंशुल कुंघा की असायिक मौत से हम बेहद दुखी हैं। इस कठिन समय में उनके परिवार के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं हैं। वाणिज्य दूतावास अंशुल के परिवार के संपर्क में है और हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है।" मृतक की बहन तन्वी ने संवाददाताओं को बताया कि अंशुल उत्तरी फिलाडेल्फिया की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करते थे और साप्ताहिक में अतिरिक्त आय के लिए पिछा पहुंचाने का काम करते थे।

तन्वी ने बताया, "हमें बताया गया कि अंशुल को सिर में तीन गोлияं मारी गईं और सड़क पर छोड़ दिया गया।" उन्होंने कहा कि अंशुल के पास से कुछ भी नहीं लूटा गया। तन्वी के मुताबिक, अंशुल को पिछा पहुंचाने के लिए एक सुनसान इलाके में भेजा गया था और बाद में उन्हें पता चला कि यह "एक छलावा" था। उन्होंने कहा, यह एक छलावा था। उन्हें मारने के लिए ही यह सब रचा गया था। मुझे नहीं पता कि उन्हें इससे क्या हासिल हुआ या उनकी क्या मंशा थी। उन्होंने मेरे भाई को हमसे छीन लिया। तन्वी ने इस मामले में न्याय की मांग की। उन्होंने विदेश मंत्रालय से अपील की कि उनके भाई के शव को जल्द से जल्द भारत लाने की व्यवस्था की जाए। तन्वी ने कहा, हमें बताया गया कि शव सोमवार को सौंप दिया जाएगा। बस में बस यही चाहती हूं। हमें न्याय चाहिए। अमेरिकी मीडिया की खबरों के अनुसार, ऐसा लगता है कि दो बंदूकधारी काले नकाब पहने और पीठ पर बैग लटकाए हुए थे। अंशुल लगभग चार साल पहले पढाई के लिए अमेरिका गए थे। तन्वी ने बताया कि इससे पहले कुछ लोगों ने उनसे चेन, फोन और नकदी छीन ली थी।

# राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता मलयालम अभिनेता सलीम कुमार को अंतिम विदाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**कोच्चि/भाषा।** केरल में रविवार को राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता मलयालम अभिनेता सलीम कुमार को भावभीनी विदाई दी गई। कुमार का अंतिम संस्कार उनके नॉर्थ परवूर स्थित आवास पर पुलिस सम्मान के साथ किया गया और हजारों लोगों ने लोकप्रिय अभिनेता को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। वह 56 वर्ष के थे। कुमार का शनिवार रात करीब 10.43 बजे यहां एक निजी अस्पताल में निमोनिया के इलाज के दौरान निधन हो गया। रविवार सुबह उनके पार्थिव शरीर को नॉर्थ परवूर टाउन हॉल ले जाया गया, जहां अभिनेताओं, मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन सहित राजनीतिक नेताओं और प्रशंसकों सहित हजारों लोग उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्र हुए।

केरल में मिमिक्री कलाकार के रूप में अपने कैरियर की शुरुआत करने वाले कुमार ने मलयालम सिनेमा के सबसे बहुमुखी कलाकारों में से एक के रूप में स्वीकृति प्राप्त की। अपराह्न करीब दो बजे शव को उनके नॉर्थ परवूर स्थित आवास 'लाफिंग विला' ले जाया गया। अंतिम संस्कार अपराह्न करीब 3.30 बजे हुआ और इसमें बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। कुछ साल पहले लिवर प्रतिरोपण करवा चुके अभिनेता को शनिवार सुबह अस्पताल में भर्ती कराया गया और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। परिवार के सूत्रों के अनुसार, उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां उन्होंने आखिरी सांस ली। मलयालम सिनेमा में जाना-पहचाना चेहरा रहे कुमार ने 1990 के दशक के आखिर में फिल्मों में कदम रखने से पहले मिमिक्री और हास्य के माध्यम से पहचान हासिल की। उन्होंने 1997 में फिल्म जगत में पदार्पण किया लेकिन 2000 के दशक में उनके हास्य अभिनय ने उन्हें व्यापक लोकप्रियता दिलाई। फिल्म उद्योग में आने से पहले कुमार केरल के मिमिक्री जगत में एक प्रमुख हस्ती थे। उन्होंने केरल के 'कलाभवन' के साथ राज्य और विदेशों में कई कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया और बाद में अपना खुद का ग्रुप बनाया। वह थिएटर में भी सक्रिय थे और मलयालम टेलीविजन चैनलों पर कॉमेडी कार्यक्रमों की मेजबानी करते थे। कुमार ने 1997 में सिडीक-शमीर द्वारा निर्देशित फिल्म इष्टम नूरु वडम' से अपने फिल्मी कैरियर की शुरुआत की।

उन्हें प्रमुख सफलता 'सत्यमेव जयते' से मिली जिसने उन्हें मलयालम सिनेमा के अग्रणी हास्य कलाकारों में से एक के रूप में स्थापित किया। कई सफल फिल्मों में हास्य भूमिकाएं निभाने के बाद कुमार ने गंभीर किरदारों को निभाने का परिचय दिया। निर्देशक कमल की फिल्म 'पेरुमाझक्कल' (2004) में उनके शानदार अभिनय ने उनके कैरियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ ला दिया। उन्होंने 'अचनुरंगथा वीडू' में अपने अभिनय के लिए केरल राज्य फिल्म पुरस्कार में द्वितीय सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता और बाद में अदार्मिंत नकान अबू' (2010) में उनके प्रशंसित अभिनय के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और केरल राज्य फिल्म पुरस्कार दोनों प्रदान किए गए। अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए मशहूर कुमार ने लगभग तीन दशकों में हास्य से लेकर गंभीर चरित्र भूमिकाएं निभाईं और 300 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया। उनकी आखिरी फिल्म 2025 में रिलीज हुई 'भा बा बा' थी जिसमें वह मेहमान भूमिका में नजर आए थे। कुमार ने लेखक और निर्देशक के रूप में भी फिल्म निर्माण में कदम रखा। फिल्म उद्योग में अपार लोकप्रियता के बावजूद कुमार ने कभी अपने राजनीतिक सक्रियता को नहीं छिपाया और खुले तौर पर खुद को कांग्रेस पार्टी का समर्थक बताया। कोच्चि के महाराजा कॉलेज में पढाई के दौरान वह छात्र इकाई केरल छात्र संघ (केएसयू) के एक सक्रिय कार्यकर्ता थे और कला क्लब के सचिव के रूप में उन्होंने कार्य किया। कुमार अक्सर अपने पिता की कांग्रेस के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के बारे में बात किया करते थे और अक्सर यही कहा करते थे कि वह छोटी उम्र से ही पार्टी के कार्यक्रमों में भाग लेते रहे हैं। हाल में हुए केरल विधानसभा चुनाव के दौरान कुमार ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) का खुले तौर पर समर्थन किया। यह कई मौकों पर गठबंधन के नेताओं के साथ दिखाई दिए और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के नेतृत्व की आलोचना की। केरल के मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने कुमार के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और उन्हें एक फिल्मी सितारे से कहीं बढ़कर भाई और "परिवार का सदस्य" बताया।

# 'पेदी' विवाद पर डिंपल हयाती ने जाह्वी कपूर का बचाव किया, कहा- व्यवस्था को जिम्मेदार ठहराएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** अभिनेता राम चरण अभिनीत फिल्म 'पेदी' में जाह्वी कपूर के किरदार की हो रही आलोचना के बीच अभिनेत्री डिंपल हयाती उनके समर्थन में आई हैं। हयाती ने कहा कि इसके लिए अभिनेत्री को नहीं, बल्कि "व्यवस्था और निर्माताओं" को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। इस तेलुगु फिल्म को लेकर उस समय विवाद खड़ा हो गया, जब दर्शकों के एक वर्ग ने फिल्म के कैमरा वर्क, संवादों और राम चरण तथा जाह्वी कपूर के बीच के रोमांटिक दृश्यों के जरिए "महिलाओं के वस्तुकरण" की आलोचना की। हयाती ने रविवार को अपने 'एक्स' हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा, "मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि आज हम सब इस विषय पर बात कर रहे हैं कि अभिनेत्रियों के किरदार कैसे लिखे जाते हैं। जिस किरदार का प्रस्ताव दिया गया, उसे निभाने के बाद अभिनेत्री को ही दोषी ठहराना स्वाभाविक प्रतिक्रिया बन गई है।" उन्होंने कहा, "अभिनेत्री को दोष मत दीजिए।"



बल्कि उस व्यवस्था और निर्माताओं को जिम्मेदार ठहराए जो वास्तव में देखते हैं कि यही सब (सिनेमा में) बिकता है... और हम कलाकारों को जो भी अवसर मिलते हैं, हम उसी के दायरे में काम करते हैं ताकि कुछ बड़ा कर सकें और इस उम्मीद में रहते हैं कि हमें बड़ी फिल्मों में काम करने और व्यापक दर्शकों तक पहुंचने का मौका मिलेगा।" हयाती ने कहा, "दुर्भाग्य से, हम जो देखते हैं उसी पर विश्वास कर लेते हैं। कोई नहीं जानता कि फिल्म निर्माण में क्या-क्या शामिल होता है; यह किसी एक व्यक्ति की परसंद नहीं होती, लेकिन हम सभी सर्वसम्मति से यह बात रख सकते हैं कि हम बेहतर अनुभव और बेहतर फिल्म निर्माण के हकदार हैं।" जाह्वी कपूर ने 'पेदी' में अपनी भूमिका से जुड़े इस विवाद पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ग्रामीण आंध्र प्रदेश (1980 के दशक) की पृष्ठभूमि पर आधारित 'पेदी' एक निम्न वर्ग के ग्रामीण (राम चरण) की यात्रा को दर्शाती है, जो अपने समुदाय के लिए पहचान और सम्मान हासिल करने के लिए कुश्ती का सहारा लेता है। चार जून को रिलीज हुई इस फिल्म ने वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है।



## माहेश्वरी सभा के विशाल स्वास्थ्य शिविर में 200 से अधिक लोगों ने लिया डेंटल, आई एवं ऑर्थो स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** स्थानीय श्री माहेश्वरी सभा द्वारा आयोजित शिवोहम महेश नवमी महा महोत्सव-2026 के अंतर्गत 18 दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ अन्ना नगर स्थित एस.आर.के.के. अग्रवाल भवन में आयोजित विशाल डेंटल, आई एवं ऑर्थो हेल्थ कैंप के उद्घाटन समारोह के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान एंजोसिएशन तमिलनाडु (रजत) के अध्यक्ष अजीत कुमार चोरडिया थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता माहेश्वरी सभा, चेन्नई के अध्यक्ष गौरीशंकर राठी ने की। शिवोहम के चेयरमैन डॉ. अशोक जे. मूंछड़ा सहित प्रतिष्ठित चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. राघव मोहता, डॉ. चेतन पोफले एवं डॉ. अंकिता बिसानी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सभा के



सचिव संजय मूंछड़ा द्वारा स्वागत उद्घोषण के साथ हुआ। तत्पश्चात मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। महेश वंदना की भावपूर्ण प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को भक्तिमय एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत कर दिया।

अपने स्वागत भाषण में सभा अध्यक्ष गौरी शंकर राठी ने कहा कि

महेश नवमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि समाज सेवा, संस्कार, संगठन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाना सभा का दायित्व है और इसी उद्देश्य से इस विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है।

उन्होंने सभी चिकित्सकों, सहयोगी संस्थाओं एवं स्वयंसेवकों

का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज को नई दिशा प्रदान करते हैं।

शिवोहम के चेयरमैन डॉ. अशोक जे. मूंछड़ा ने अपने संबोधन में कहा कि स्वास्थ्य ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। वर्तमान समय की भागदौड़ भरी जीवनशैली में समय पर स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श अत्यंत आवश्यक हो गया है। अजीत कुमार

चोरडिया ने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक पहचान उसके सेवा कार्यों से होती है। उन्होंने माहेश्वरी सभा द्वारा स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में किए जा रहे इस जनकल्याणकारी प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि समय पर जांच एवं जागरूकता अनेक गंभीर बीमारियों को प्रारंभिक अवस्था में ही रोक सकती है।

शिविर के दौरान अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा दंत, नेत्र एवं अस्थि रोगों से संबंधित जांच एवं परामर्श प्रदान किया गया। समाज के वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों सहित 200 से अधिक लोगों ने इस स्वास्थ्य शिविर का लाभ प्राप्त किया। उपस्थित लोगों ने आयोजन की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए इसे अत्यंत उपयोगी, जनहितकारी एवं समय की आवश्यकता के अनुरूप एक उत्कृष्ट पहल बताया।

इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित थे।



## जो कल छोड़ना है, उसे आज ही साहसपूर्वक छोड़ देना ही संयम है : आचार्य कुलबोधिसूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** आचार्यश्री कुलबोधिसूरीश्वरजी म सा की पावन निशा में मुमुक्षु विरती खीसरा की भागवती दीक्षा के उपलक्ष्य में आयोजित त्रिदिवसीय संयम महोत्सव में तीसरे व अंतिम दिवस के वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों सहित 200 से अधिक लोगों ने इस स्वास्थ्य शिविर का लाभ प्राप्त किया। उपस्थित लोगों ने आयोजन की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए इसे अत्यंत उपयोगी, जनहितकारी एवं समय की आवश्यकता के अनुरूप एक उत्कृष्ट पहल बताया।

इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

आचार्य वर्धमानसागर सूरीश्वरजी म.सा. के करकमलों से रजोहरण ग्रहण कर संयम जीवन का वरण करेंगे। संयम का वास्तविक अर्थ समझाते हुए आचार्यश्री ने कहा, जिसे हमें एक दिन अवश्य छोड़ना है, उसे समय रहते साहस और पुरुषार्थ के साथ छोड़ देने का नाम ही संयम है। मुमुक्षु आज उसी पराक्रम का परिचय दे रही हैं। यह संसार त्याग का नहीं, बल्कि समय से पूर्व जागरण का प्रसंग है।

आचार्यश्री ने कहा कि वर्तमान युग में पूरी दुनिया लेने, संग्रह करने और छीनने की दौड़ में लगी हुई है, जबकि जिनशासन लेने का नहीं, बल्कि देने का संदेश देता है। वर्षीयान और प्रीतिमान इसी त्यागमय संस्कृति के जीवंत प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि मुमुक्षु को यह आत्मबोध हो गया है कि संसार के भौतिक सुख केवल कल्पना और भ्रम हैं, वास्तविक सुख नहीं। इस असार संसार में स्थायी सुख कहीं नहीं है, फिर भी मनुष्य उसके पीछे निरंतर दौड़ रहा है। अपने प्रवचन को अत्यंत मार्मिक बनाते हुए आचार्यश्री ने असली और प्लास्टिक के हाथी तथा केले का उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि जैसे वास्तविक हाथी केवल असली केले की ओर आकर्षित होता है, उसी प्रकार विवेकवान आत्मा कृत्रिम सुखों से विमुख होकर सत्य और शाश्वत सुख की ओर बढ़ती है। मुमुक्षु विरती आर्य चंदनबाला की परंपरा का अनुसरण करते हुए वैराग्य और संयम के पथ पर अग्रसर

हो रही हैं। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रेरित करते हुए कहा कि जब जीवन का अंतिम क्षण आए तो प्रभु से यही प्रार्थना करनी चाहिए कि मुझे अंतिम समय में श्रमण वेश प्राप्त हो, मुझे आपका शासन प्राप्त हो। आचार्यश्री ने भावुक स्वर में कहा कि आज भले ही आपके हाथों में रजोहरण न हो, लेकिन मुमुक्षु के संयम पराक्रम की अनुमोदना में हमारी आंखों में आनंद और श्रद्धा के अशु अवशय होने चाहिए। इस अवसर पर मुमुक्षु विरती खीसरा द्वारा प्रीतिदान किया गया। वेपेरी शैतान्बर रत्नपूजक जैन संघ की ओर से मुमुक्षु तथा उनके माता-पिता संघवी हर्षा-महेंद्रकुमार खीसरा का सम्मान किया गया। मुमुक्षु परिवार की ओर से आचार्यश्री एवं उपस्थित श्रमण-श्रमणीवृंद को श्रद्धापूर्वक कांबली अर्पित की गई।

कार्यक्रम के दौरान कलापूर्ण आराधक मंडल, आराधना युथ एंजोसिएशन, पीपुल फॉर पीपुल संस्था, आदिनाथ नेमी गुप सहित विभिन्न सहयोगी संस्थाओं एवं कार्यकर्ताओं का भी सम्मान किया गया। सायंकाल आयोजित प्रभु भक्ति में श्रद्धालुओं की सहभागिता विशेष रूप से उल्लेखनीय रही और पूरा वातावरण भक्तिरस में डूब गया। उल्लेखनीय है कि मुमुक्षु विरती खीसरा का गृहत्याग आगामी 17 जून को सम्पन्न होगा। कार्यक्रम में नैतिक मेहता ने मधुर संगीत प्रस्तुति देकर सभी को भावविभोर कर दिया, जबकि कार्यक्रम का कुशल संचालन मनोज राठोड़ ने किया।



## स्कूल में कम्प्यूटर सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**कोयंबटूर।** श्री वर्धमान जैन सेवा संघ (कोयंबटूर) के तत्वाधान में नगर के सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय, चेष्टीपालयम में अध्ययनरत 800 विद्यार्थी के कई दिनों की जरूरत को देखते हुए तीन

कंप्यूटर के साथ ही फ़ाइल व अन्य सामग्री वितरित किया गया। संघ के अध्यक्ष गौतम धारीवाल की अध्यक्षता में संघ के कार्यध्यक्ष नेमीचंद लोढ़ा के संयोजन में कोषाध्यक्ष विकास सुराणा के नियोजन में आयोजित समारोह में विद्यालय को कंप्यूटर के साथ ही फ़ाइलें व अन्य शिक्षण सामग्री प्रदान किया गया। संघ के सचिव

विक्रम बोहरा ने सभी चीजों को सुपुर्द करते हुए दानदाता को धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह में संघ के पूर्व अध्यक्ष बबलू ललवानी व समन्वयक राजू छाजेड, संस्थापक राजेश कुमार गादिवा सहित विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे, विद्यालय की अध्यापिका कलमणि ने धन्यवाद अर्पण किया।



## विद्यार्थियों को बांटी निःशुल्क पाठ्य सामग्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**बेंगलूरु।** स्थानीय बेंगलूरु जैन सेवा मंडल के सदस्यों ने रविवार को कॉन्टनेट स्थित पूर्वी प्लाजा प्रांगण में लगभग 400 जरूरतमंद विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य व अध्ययन सामग्री का वितरण किया। मंडल के अध्यक्ष वसंत जैन ने मंगलाचरण कर सभी का स्वागत किया। चेयरमैन देशमल पट्टियात ने

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला तथा उन्हें लगन एवं परिश्रम के साथ अध्ययन करने की सलाह दी। कहा कि यह पाठ्य सामग्री केवल नोटबुक नहीं है, बल्कि आपके लिए ज्ञान और उज्वल भविष्य के लिए दिया गया एक उपहार है। इस अवसर पर विद्यार्थियों को नोटबुक, पेन, पेंसिल तथा अन्य आवश्यक अध्ययन सामग्री से युक्त 'पाठ्य सामग्री किट' का वितरण किया गया।

## साइकिल दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत



भारतीय खेल प्राधिकरण के तत्वावधान में विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सैंडस ऑन साइकिल विशेष कार्यक्रम का आयोजन चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री परिसर में किया गया। इस अवसर पर आईसीएफ, भारतीय तटरक्षक तथा कर्मचारी राज्य बीमा निगम, क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नई के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य साइकिल चलाने के माध्यम से स्वास्थ्य, फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना था। प्रतिभागियों ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और फिट इंडिया अभियान के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।



## मारवाड़ी सम्मेलन संस्था की 'वैकुण्ठ रथ सेवा' का हुआ लोकार्पण

1 जुलाई से निःशुल्क उपलब्ध होगी अंतिम यात्रा सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**बेंगलूरु।** स्थानीय मारवाड़ी सम्मेलन संस्था द्वारा पार्थिव शरीर को शवगृह तक ले जाने वाली 'वैकुण्ठ रथ सेवा' वाहन का लोकार्पण समारोह रविवार को एक होटल में किया गया। यह सेवा आगामी 1 जुलाई से समाज के सभी वर्गों के लिए पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध रहेगी। लोकार्पण कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं सेवा संगठनों के पदाधिकारियों, उद्योगपतियों, समाजसेवियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। समारोह में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि जीवन का अंतिम सत्य मृत्यु है, किंतु किसी व्यक्ति की अंतिम यात्रा भी उतनी ही सम्मानजनक और गरिमान्वय होनी चाहिए जितना उसका संपूर्ण जीवन। ऐसे कठिन और भावनात्मक क्षणों में शोकाकुल परिवारों को सहयोग प्रदान करना



केवल सामाजिक उत्तरदायित्व नहीं, बल्कि सच्ची मानव सेवा है। वैकुण्ठ रथ सेवा इसी भावना का मूर्त स्वरूप है, जो दुःख की घड़ी में परिवारों के लिए सबल बनकर खड़ी रहेगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों और समाज के वरिष्ठजनों ने मारवाड़ी सम्मेलन की सेवा परंपरा की सराहना की।

इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन बेंगलूरु के पूर्व अध्यक्ष अरुण खेमका, अध्यक्ष पंकज जालान तथा सचिव रमेश कुमार जाजू सहित कर्नाटक प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष रमाकान्त सराफ, अध्यक्ष सीताराम

अग्रवाल एवं सचिव शिवकुमार टेकरियावाल, अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त किए। वैकुण्ठ रथ सेवा परिyoजना के सलाहकार एवं चेयरमैन सुरेन्द्र

गोयल, डायरेक्टर मनीष अग्रवाल तथा संयोजक अशोक अग्रवाल ने परियोजना की रूपरेखा और उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह सेवा बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचेगी। कार्यक्रम में विभिन्न सभा संगठनों के प्रतिनिधि सहित सम्मेलन के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ उद्योगपति चन्द्रप्रकाश रामसिरिया, सतीश मित्तल, सुशीला गोयल, बिमल सरावगी, रमेश शंकर, रमेश भाऊवाला, संजय जाजोदिया, विनोद जगनानी आदि उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**बेंगलूरु।** स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में ओकलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में पुरुषोत्तम मास के अवसर पर गतिमान पांच दिवसीय भगवान श्री जगन्नाथ कथा में कथावाचक गौडिया वैष्णवाचार्य युगलशरणजी महाराज ने कथा को आगे बढ़ाते हुए तीसरे दिन रविवार को कहा कि मनुष्य को कभी क्रोध नहीं करना चाहिए। क्रोध मनुष्य के जीवन का पतन करता है। भक्तों की भक्ति से भगवान बहुत प्रसन्न होते हैं। भगवान ही हैं जो मनुष्य को मुक्ति प्रदान करते हैं। कथा वाचक ने जब राजा प्रताप की कथा सुनाते हुए कहा कि जब राजा अपने ईष्ट जगन्नाथ भगवान के दर्शन करने के लिए आए तो उन्होंने भगवान को सिंहासन पर फटे हुए कपड़े में बैठे हुए देखा और दर्शन दिए। राजा ने कुपित होकर भगवान की



खरता हालत देखकर पुजारियों को दंड देने को कहा। तब भगवान जगन्नाथ ने राजा से कहा कि मेरी यह हॉलत खेत में जाने से कांटों में अटक जाने के कारण हुई है, इसमें पुजारियों का कोई दोष नहीं। भगवान ने कहा कि कपड़ों से किसी की पहचान नहीं होती, भाव शुद्ध व अच्छे होने चाहिए। शुद्ध भाव से ही भगवान व भक्त की पहचान होती है। भगवान एक ही हैं, बस रूप अलग-अलग हैं। कथा वाचक ने कहा कि

कर आनन्द लिया। कथा में माहेश्वरी समाज के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी एवं सदस्यों सहित अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के प्रतिनिधि मंडल उपस्थित थे। महासभा से आए अतिथियों में श्यामसुंदर सोनी, त्रिभुवनदास काबरा, राजकुमार कालिया, बाबूलाल मोहता एवं कृष्ण भंसाली प्रमुख रूप से उपस्थित थे। सभी अतिथियों ने कथा श्रवण कर महाराजश्री से आशीर्चन प्राप्त किया। स्थानीय माहेश्वरी समाज के नंदकिशोर राठी, गौरीशंकर सारडा, रामगोपाल मूंछड़ा, विनीत बिहानी, जयदीप गिलड़ा, सभा के अध्यक्ष भगवानदास लाहोटी सहित बड़ी संख्या में उपस्थित जनों ने कथा का श्रवण किया। महिला अध्यक्ष विजयलक्ष्मी सारडा ने सभी का स्वागत किया। मंत्री शोभा भूतड़ा व अन्य सदस्यों ने व्यवस्था संचाली। कल्पना बाहेती ने सभी को धन्यवाद दिया।